

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं  उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 64 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

3 दिन में पीएम मोदी की 15 द्विपक्षीय बैठके, वैश्विक और आर्थिक मुद्दों पर हुए 10 महत्वपूर्ण फैसले

नई दिल्ली। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को हुए 18वें BRICS Summit में भारत की कूटनीति के साथ कई अहम वैश्विक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा हुई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समिट के दौरान तीन दिनों में कम से कम 15 द्विपक्षीय बैठकों कीं. इनमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत सबसे अहम रही. वहीं, मोदी ने अलग-अलग देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत के अलावा BRICS Business Forum की अध्यक्षता भी की.

पुतिन, शी जिनपिंग और पेजेशकियान से क्या बात हुई?

पुतिन के साथ बातचीत में मोदी ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की बात कही. दोनों नेताओं ने आर्थिक, रक्षा और ऊर्जा सहयोग के साथ कामगारों की आवाजाही से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की.



ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष पर बात हुई. मोदी ने विवाद का समाधान बातचीत के जरिए निकालने और समुद्री रास्तों को खुला रखने के साथ नाविकों की सुरक्षा पर जोर दिया.

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक में भारत ने सीमा पर शांति और स्थिरता को दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने का जरूरी आधार बताया. दोनों नेताओं ने

भारत-चीन संबंधों में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया.

15 द्विपक्षीय बैठकों में कौन-कौन शामिल रहे?

11 सितंबर : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से द्विपक्षीय चर्चा हुई. इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात हुई.

12 सितंबर : चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, ष्ठ के अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और वियतनाम के ले मिन्ह हंग के साथ बातचीत हुई.

13 सितंबर : दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफेसा, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फ्हाह अल-सीसी और बुरुंडी के राष्ट्रपति एवरिस्ट नदयिशिमिये से बैठक हुई. इसके अलावा युगांडा और नाइजीरिया के नेतृत्व से भी बातचीत हुई. हिंदुस्तान टाइम्स ने कुल मिलाकर कम से कम 15 देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों की बात कही है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को परिणामोन्मुख बनाने पर सदस्य देशों के प्रमुखों का किया धन्यवाद



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को परिणामोन्मुख बनाने पर सदस्य देशों के प्रमुखों का धन्यवाद किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो संदेश में कहा कि इस मंच से भारत ने हर स्तर पर साझेदारी और सहयोग का बढ़ावा दिया है। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने विश्व नेताओं के साथ 15 द्विपक्षीय बैठकें भी पूरी कीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने समूह के दिल्ली शिखर सम्मेलन को उत्पादक और परिणामोन्मुख बनाया। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया हैंडल पर दो दिन के शिखर सम्मेलन की अहम झलकियां दिखाने वाला एक वीडियो पोस्ट किया गया।

वीडियो के साथ एक पोस्ट में मोदी ने कहा, "दिल्ली शिखर सम्मेलन को बहुत उत्पादक और परिणाम केन्द्रित बनाने के लिए सभी ब्रिक्स नेताओं का धन्यवाद।" वीडियो में प्रधानमंत्री के शिखर सम्मेलन में दिये गए भाषण का एक हिस्सा दिखाया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के जरिए भारत ने हर स्तर पर दोस्ती, साझेदारी और सहयोग को आगे बढ़ाया है।

इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले नेताओं में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ईरान के राष्ट्रपति



मोदी ने रविवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से बांग्लादेश से लगी सीमा को 'स्मार्ट बॉर्डर' में तब्दील करने पर प्रारंभिक अध्ययन सेपाहीजाला जिले में शुरू हो गया। यह कदम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जून में त्रिपुरा दौरे के बाद उठाया गया है। शाह ने उस दौरान कहा था कि स्थानीय प्रशासन, प्रौद्योगिकी और सुरक्षाकर्मियों की प्रतिबद्धता के समन्वय से 'स्मार्ट बॉर्डर' विकसित किए जाएंगे।

साहा ने पश्चिमी त्रिपुरा स्थित बीएसएफ के त्रिपुरा प्रॅटियर मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान पत्रकारों से कहा, "सेपाहीजाला जिले में सीमा को 'स्मार्ट बॉर्डर' में तब्दील करने पर प्रारंभिक अध्ययन शुरू हो गया है। इस जिले की बांग्लादेश के साथ 100 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा

की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफकी है, इसलिए सभी सूचनाएं या घटनाक्रम राज्य सरकार तक नहीं पहुंच पाते। इसी कारण हम कानून प्रवर्तन एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दे रहे हैं। जब सूचनाएं हम तक पहुंचेंगी, तब हम चुनौतियों या कमियों का समाधान कर पाएंगे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि अब भी कुछ ऐसे हिस्से हैं, जहां नदियाँ, दुर्गम भौगोलिक स्थिति और सीमा पार से आपत्तियों जैसी अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण बाड़ लगाने का काम नहीं हो सका है। उन्होंने कहा, "हमारे गृह मंत्री (अमित शाह) ने भी पिछले दौर के दौरान सीमा को अभेद्य बनाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया था।"

सविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि वाली हिंदी को देश की राजभाषा किया था घोषित



नई दिल्ली। हिंदी उन भाषाओं में शुमार है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा बोली और समझी जाती है। महात्मा गांधी ने कहा था कि हिंदी जनमानस की है और उन्होंने इसे देश की राष्ट्रबनाने की सिफरिश भी की थी। हिंदी को 14 सितंबर, 1949 को राजका दर्जा दिया गया, लिहाजा इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। सविधान सभा ने देवनागरी लिपि वाली हिंदी के साथ ही अंग्रेजी को भी आधिकारिक के रूप में स्वीकार किया। वर्ष 1949 में आज ही के दिन सविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजघोषित किया।

हालांकि, पहला हिंदी दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया। देश-दुनिया के इतिहास में 14 सितंबर की तारीख में दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ख्योरा इस प्रकार है :-

1770 : डेनमार्क में प्रेस की स्वतंत्रता को मान्यता मिली। 1833 : विलियम बेंटिक, पहले गवर्नर जनरल के तौर पर भारत आए। 1917 : रूस को आधिकारिक तौर पर गणतंत्र घोषित किया गया। 1949 : संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक का दर्जा दिया। 1959 : सोवियत संघ का अंतरिक्ष यान पहली बार चंद्रमा की सतह पर उतरा।

1960 : खनिज तेल उत्पादक देशों ने मिलकर ओपेक की स्थापना की। 1998 : माइक्रोसॉफ्ट, जनरल इलेक्ट्रिक को पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी। 2000 : प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अमेरिकी सीनेट के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को सम्बोधित किया। 2001 : अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को पकड़ने के अभियान के लिए अमेरिका में 40 अरब डॉलर मंजूर किए गए। 2007 : जापान ने तानेगाशिया स्थित प्रक्षेपण केन्द्र से पहला चन्द्र उपग्रह एच-2ए प्रक्षेपित किया। 2008 : रूस के पेरम हवाई अड्डे पर एअरफ़्लोट का विमान दुर्घटनाग्रस्त। विमान में सवार सभी 88 लोगों की मौत। 2009 : भारत के लिएडर पेस और चेक गणराज्य के लुकास लोही ने महेश भूपति और मार्क नोल्स की जोड़ी को हराकर यू.एस. ओपन के पुरुष युगल का खिताब जीता। 2016 : पैरा ओलिंपिक खेलों में भारत के पदकों का आंकड़ा चार पर पहुंचा। 2024 : कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सेबी) पर चीनी कंपनियों में निवेश का आरोप लगाया।

जीवन मंत्र

70 साल की उम्र में भी आप अपने को युवा बना सकते हैं



एक कंपनी ने उच्च पद के लिए '40 साल के अनुभव वाले युवा' का विज्ञापन निकाला। जाहिर था कि इतना अनुभव 60 वर्ष से कम उम्र में संभव नहीं। कई ऊर्जावान बुजुर्गों ने आवेदन किया। चयन प्रक्रिया के बाद जब कंपनी से पूछा गया कि उन्होंने 60+ उम्र वालों में किसे 'युवा' माना, तो उनका जवाब दिलचस्प था— "अधिकतर बुजुर्ग अपने इंटरव्यू के 70% समय में पुरानी उपलब्धियों का बखान कर रहे थे और सिर्फ 30% समय भविष्य की प्लानिंग पर बोल रहे थे। हमने उसे चुना जिसने अतीत को संक्षेप में बताकर अपना 70% ध्यान वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर लगाया।" अर्थात्, असली युवा वही है जो अतीत के पन्नों में उलझने के बजाय वर्तमान में जीता है और भविष्य का निर्माण करता है।

इसे एक उदाहरण से समझिए— अगर किसी बच्चे और बुजुर्ग की उंगली, आग से एक ही तरह से जल जाए, तो बच्चा दर्द भूलकर जल्दी आगे बढ़ जाता है और नई चीजें सीखने लगता है, जबकि बुजुर्ग अवसर उसी तकलीफको पकड़कर बैठे रहते हैं। जो बीती बातों और पुरानी उपलब्धियों के सहारे जीता है, वह मानसिक रूप से बूढ़ा हो चुका है। निरंतर नया सीखने और आगे बढ़ने की ललक ही आपको हमेशा 'युवा' बनाए रखती है।

इंजी. मधुर चितलांग्या "माधो"संपादक, दैनिक पूरब टाइम्स

मुंबई पुलिस ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे को 19 सितंबर से अनशन की अनुमति देने से किया इनकार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने गणेशोत्सव के दौरान संभावित सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए रविवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे को 19 सितंबर से मुंबई में प्रस्तावित अतिरिक्तकालीन अनशन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। आजाद मैदान थाने के वरिष्ठ निरीक्षक राजा बिदकर ने जरांगे-पाटिल की टीम की ओर से दिए गए औपचारिक अनुरोध को छह पन्नों का पत्र जारी कर खारिज कर दिया। पत्र में सार्वजनिक बैठक, प्रदर्शन और जुलूस नियमों के संभावित उल्लंघन तथा पिछले प्रदर्शनों के दौरान स्थल की शर्तों का कथित रूप से पालन नहीं करने का हवाला दिया गया।

जरांगे ने गणपति उत्सव के दौरान मार्च निकालने का आह्वान किया है। गणेशोत्सव 14 से 25 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गणपति उत्सव के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा बलों की तैनाती पहले से ही बढ़ी हुई है और ऐसे समय में बड़े प्रदर्शन की अनुमति देने से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका है।

उन्होंने पिछले साल के आंदोलन के दौरान अनुमति से अधिक भीड़ जुटने का भी हवाला दिया। उस बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मुख्यालय के आसपास यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि जरांगे-पाटिल की ओर से दिए गए आश्वासन के बावजूद त्योहार के दौरान प्रदर्शन की अनुमति देना सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से बड़ी चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

जरांगे ने जालना के अंतरवाली सराटी में अपने आंदोलन के 16वें दिन पुलिस के फैसले की आलोचना की और महाराष्ट्र सरकार पर उनके आंदोलन को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुंबई पुलिस की यह कार्रवाई मुंबई उच्च न्यायालय के निर्देशों के खिलाफ है। जरांगे ने कहा, "यह तानाशाही और

मनमानी है।" आरक्षण कार्यकर्ता ने सवाल किया, "सरकार और पुलिस प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही यह क्यों मान रही है कि हम नियमों का उल्लंघन करेंगे? यह सरकार किस कानून के तहत काम कर रही है?" जरांगे ने कहा कि उनकी

कानूनी टीम पुलिस के आदेश को चुनौती देगी। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर "हिंदू त्योहार के दौरान शांति भंग करने" का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद वह आंदोलन के लिए मुंबई जाएंगे। जरांगे ने त्योहार के दिनों में आंदोलन से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा, "हम भी गणेश उत्सव मनाते हैं।" उन्होंने कहा, "सरकार और पुलिस हमारे शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक प्रदर्शन को रोकने के लिए साजिश कर रही है।

कानून के शासन में किसी सरकार को इस तरह काम नहीं करना चाहिए।" जरांगे ने कहा, "हम संविधान और न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन मनमाने सरकारी निर्देशों के आगे नहीं झुकेंगे।" जरांगे ने मुंबई मार्च 15 सितंबर से तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू करने की बात दोहराते हुए कहा कि पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के विरोध में वह इलाज और तरल पदार्थ लेना बंद कर देंगे। आरक्षण कार्यकर्ता ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रस्तावित मुंबई मार्च के दौरान उनकी हत्या की साजिश रचे जाने का आरोप भी लगाया। जरांगे ने कहा, "मार्च के दौरान मुझे गोली मारने की साजिश है। वे मराठों को नहीं, बल्कि मुझे निशाना बनाना चाहते हैं। मैं मौत स्वीकार कर लूंगा, लेकिन झुकूंगा नहीं।" मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने रविवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे से गणेशोत्सव के दौरान मुंबई में प्रस्तावित प्रदर्शन को टालने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।



अपन तो कहेंगे : जनता के लिए महंगाई का इलाज 1.टीवी डिबेट 2.पकिस्तान का नाम 3.पुराने मुद्दे

सिटी सक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में मानसून मेहरबानः

सामान्य वर्षा का 99.9% कोटा पूरा

राज्य भर में अब तक कुल 988.5 मिमी औसत बारिश बलरामपुर में रिकॉर्ड तो बेमेतरा व कांकेर में राहत का इंतजार पिछले 24 घंटों के भीतर प्रदेश में 12.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस वर्ष मानसून की मेहरबानी से जल संकट काफ़ी हद तक दूर हो चुका है। राज्य शासन के राजस्व एवं अपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी बारिश रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून से 13 सितंबर 2026 तक प्रदेश में औसत सामान्य वर्षा की 99.9% आपूर्ति दर्ज की जा चुकी है। राज्य भर में अब तक कुल 988.5 मिमी औसत बारिश हुई है, जो पिछले 10 वर्षों के 989.9 मिमी के ऐतिहासिक औसत के बिल्कुल बराबर है। वहीं पिछले 24 घंटों के भीतर प्रदेश में 12.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई, जिसमें दतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 46.3 मिमी बारिश हुई है।

वर्षा आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि प्रदेश के अलग-अलग अंचलों में मानसून का रूप भिन्न रहा है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले ने 1482.8 मिमी कुल बारिश और सामान्य औसत के मुकाबले 177% वर्षा के साथ पूरे प्रदेश में बाजी मारी है। इसके बाद सांगरढ़-बिलासगढ़ में औसत का 146.3%, रायपुर में 131.8%, मनेन्द्रगढ़-चिरहिरि-भरतपुर में 127.1% और महासमुंद में 125.7% बारिश दर्ज की गई है। मैदानी जिलों में बलौदाबाजार, मुंगेली, गरियाबंद और धमतरी जैसे इलाकों में भी सामान्य से अधिक वर्षा होने से कृषि गतिविधियों को काफ़ी मजबूती मिली है।

हल्दी की खेती से बढ़ रही फसल विविधता, किसानों की आय में हो रही वृद्धि

मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना से प्रदेश में 1300 हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती का लक्ष्य

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ फसल विविधता को भी लगातार बढ़ावा मिल रहा है। उद्यानिकी फसलों की खेती को प्रोत्साहन मिलने से किसान अब पारंपरिक साग-सब्जी और फल उत्पादन के साथ मसाला फसलों की खेती में भी रुचि लेने लगे हैं। इससे प्रदेश में मसाला फसलों का क्षेत्र विस्तार होने के साथ किसानों के लिए आय के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं।

इसी दिशा में वर्ष 2026-27 में राज्य पोषित मद के अंतर्गत मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी द्वारा योजना के तहत हल्दी फसल के क्षेत्र विस्तार के लिए 1300 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 620 लाख रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। योजना के माध्यम से किसानों को मसाला फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फसल विविधीकरण को गति मिल रही है। योजना के क्रियान्वयन से किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ हल्दी जैसी मसाला फसलों की खेती का विकल्प मिल रहा है।

कलेक्टर ने ली स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

पंचायत एजेंसी के माध्यम से शिक्षा विभाग के लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश

फ़ील्ड में जाकर स्कूलों का विजिट करें सभी बीईओ और बीआरसी –कलेक्टर श्री वसंत

अनाधिकृत रूप से लंबे अवधि तक अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, शैक्षणिक गतिविधियाँ और विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा, सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता अभियान, ड्राइंग एवं निबंध

सेवा संकल्प अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन एवं शासकीय प्रावधानों के अनुरूप निजी विद्यालयों का संचालन सुनिश्चित करें: जिला शिक्षा अधिकारी

शैक्षणिक गुणवत्ता में बेहतर करने दिया गया जोर अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर सेवा संकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विभागीय निर्देशों के पालन के संबंध में निजी विद्यालयों के प्राचार्यों की जिला स्तरीय बैठक जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा की अध्यक्षता में जिला शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर में आयोजित की गई। बैठक में निजी विद्यालयों के सुचारु संचालन, विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्धारित मानकों के पालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेवा संकल्प अभियान में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा ने बैठक में निर्देशित किया कि सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर से होकर 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाना है। अभियान के अंतर्गत सभी निजी विद्यालयों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की बढ़-चढ़कर सहभागिता सुनिश्चित की जाए। विद्यालय, संकुल, विकासखंड एवं जिला स्तर पर निबंध, भाषण, रंगोली, गायन एवं लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। प्रत्येक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले



प्रतियोगिता सहित गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी बीईओ एवं बीआरसी को नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी लेने के निर्देश दिए। अनधिकृत रूप से लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन नियमानुसार रोकने कहा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले का कोई भी विद्यालय एकल शिक्षकीय व्यवस्था में संचालित न हो। आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। पंचायत एजेंसी के माध्यम से शिक्षा विभाग के लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में किचन शेड निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करने तथा जहां किचन शेड

उपलब्ध हैं, वहां आवश्यक कार्य प्रारंभ करने कहा। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने भवनविहीन, विद्युतविहीन एवं पेयजल विहीन विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराने कहा। डिस्सेंटल योग्य भवनों की सूची तैयार करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। बैठक में गणवेश, पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति, गैस कनेक्शन एवं शिक्षकों की सेवा पुस्तिका अद्यतन करने की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने छात्रवृत्ति फॉर्म भरने की प्रक्रिया सितंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कक्षा पहली के ऐसे विद्यार्थियों, जिनके जाति प्रमाण पत्र नहीं बने हैं, उनके प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। पूर्ण दस्तावेज वाले विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र सितंबर तक तथा अपूर्ण दस्तावेज वाले विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र 2 अक्टूबर को ग्राम सभा के बाद आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर बनाने कहा।

अपार आईडी निर्माण की समीक्षा

कलेक्टर ने अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जन्म प्रमाण पत्र बन चुके विद्यार्थियों, जिनके आधार कार्ड नहीं बने हैं, उनके आधार कार्ड शीघ्र बनवाने के निर्देश दिए। संबंधित विभागों से समन्वय कर प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया समय-सीमा में पूर्ण करने कहा।

व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, आवश्यक सुविधाओं एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अभिभावक अपने परिश्रम की कमाई का बड़ा हिस्सा फ़ीस के रूप में विद्यालयों को देते हैं और अपने बच्चों के बेहतर शैक्षणिक परिणाम की अपेक्षा रखते हैं। इसलिए निजी विद्यालयों को विद्यार्थियों की शिक्षा एवं परीक्षा परिणाम में निरंतर सुधार के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने गत सत्र के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए कहा कि निजी विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शासकीय विद्यालयों की तुलना में लगभग 3 से 4 प्रतिशत कम रहा है। आगामी बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया जाए।

विद्यार्थियों के साथ संवेदनशील व्यवहार एवं समानता सुनिश्चित करने पर जोर डॉ. झा ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षक विद्यार्थियों के साथ संवेदनशीलता एवं बेहतर व्यवहार रखें। बच्चों के साथ धर्म या जाति के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए।

नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई को मिशन के रूप में लेकर कार्य करें-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

–नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई को मिशन के रूप में लेकर कार्य करें-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

–एनडीपीएस एक्ट सम्बंधित राजनांदगांव रेंज स्तरीय कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा हुए शामिल

–प्रकरणों की विवेचना में गुणवत्ता एवं प्रभावशील बनाने कवर्धा में कार्यशाला का हुआ आयोजन

–उप मुख्यमंत्री ने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नशीली दवाओं, पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, आयात-निर्यात, भंडारण एवं सेवन को नियंत्रित और प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से नारकोटिक ड्रास एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट लागू है। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों की विवेचना में गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बढ़ाने तथा आरोपियों को प्रभावी ढंग से दोषसिद्ध कराने के उद्देश्य से आज कबीरधाम जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कवर्धा में राजनांदगांव रेंज

स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अजय यादव, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव सहित राजनांदगांव रेंज के पुलिस अधिकारी एवं विवेचना अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, आयात-निर्यात और भंडारण से जुड़े पूरे नेटवर्क को पूरी ताकत से तोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस के मामलों में केवल गिरफ्तारी तक कार्रवाई सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विवेचना को इस स्तर तक प्रभावी बनाया जाए कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को न्यायालय से दोषसिद्ध दिलाई जा सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों



से कहा कि गवाहों की अनुपस्थिति जैसी परिस्थितियों में भी उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों का बेहतर उपयोग करते हुए प्रकरण को मजबूत बनाया जाए।

कार्यशाला में पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अजय यादव ने विवेचना अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में प्रभावी विवेचना, साक्ष्य संकलन, एवं दोषसिद्धि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने ऐसे प्रकरणों में गवाहों की अनुपस्थिति अथवा अन्य चुनौतियों के

छत्तीसगढ़-राजधानी समाचार

बावजूद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मजबूत प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छत्तीसगढ़ में हाल ही में सामने आए एनडीपीएस के प्रकरणों का उदाहरण देते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पुष्टताछ एवं उनके लोकेशन तथा संपर्कों की तस्दीक कर यह पता लगाया जाए कि नशीला पदार्थ कहां से लाया गया और कहां

तक पहुंचाया जाना था। उन्होंने कहा कि कार्रवाई को केवल सामने मौजूद आरोपी तक सीमित न रखते हुए पूरे तस्करी नेटवर्क की कड़ियों तक पहुंचना और तस्करी की चैन को समाप्त करना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट से संबंधित प्रकरणों की विवेचना में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों, साक्ष्य संकलन, तकनीकी साक्ष्य के उपयोग, दस्तावेजी प्रक्रिया तथा न्यायालय में दोषसिद्धि के लिए आवश्यक बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की

गई।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी एवं विवेचना अधिकारी कार्यशाला में प्राप्त मार्गदर्शन को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करते हुए नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

एनडीपीएस के विरुद्ध कार्रवाई देश,

समाज और युवाओं की सेवा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह देश, समाज, नौजवानों और आने वाली पीढ़ी की सेवा है। नशे के अवैध कारोबार से युवाओं को बचाने के लिए पुलिस को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां नशीले पदार्थों से संबंधित अवशेष अथवा गतिविधियों की जानकारी मिलती है, वहां उसकी तस्दीक कराई जाए तथा आवश्यकतानुसार सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए।

गंगरेल बांध के 7 गेट खोले गए, 42,540 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा

जलाशयों में तेजी से बढ़ा जलस्तर, महानदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट

धमतरी। जिले में और कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा तथा जलाशयों में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। 13 सितंबर की सुबह 8 बजे की स्थिति में जिले के प्रमुख जलाशयों में जलभराव का स्तर तेजी से बढ़ा है। गंगरेल जलाशय 97.16 प्रतिशत, मुरुमसिखी 99.47 प्रतिशत, दुधावा 94.83 प्रतिशत और सोदुर जलाशय 76.58 प्रतिशत भर चुका है।

वर्तमान में गंगरेल जलाशय में 40,390 क्यूसेक, मुरुमसिखी में 1,804 क्यूसेक, दुधावा में 4,009 क्यूसेक तथा सोदुर जलाशय में 118

क्यूसेक पानी की आवक हो रही है।

आगामी वर्षा तथा जलाशयों में पानी की बढ़ती आवक को ध्यान में रखते हुए गंगरेल बांध के 7 गेट खोलकर लगभग 42,540 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। रुद्री बैराज के माध्यम से इसमें से लगभग 5,500 क्यूसेक पानी महानदी मुख्य नहर तथा लगभग 37,000 क्यूसेक पानी महानदी में प्रवाहित किया जा रहा है। जलाशय में पानी की आवक और आगामी वर्षा की स्थिति को देखते हुए पानी निकासी की मात्रा को आवश्यकता अनुसार बढ़ाया भी जा सकता है।

पानी की निकासी के कारण महानदी के जलस्तर में वृद्धि की संभावना को देखते हुए नदी के किनारे बसे गांवों में प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है।

राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर छत्तीसगढ़ की गूंज, देश-दुनिया के सामने खुली पर्यटन संभावनाओं की नई राह

विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें IATO Annual Convention में प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन संभावनाओं का हुआ प्रभावी प्रदर्शन रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक खूबसूरती, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं ने एक बार फिर राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ टूर ऑपरेटर्स के वार्षिक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की संभावनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। देशभर से जुटे पर्यटन विभागों, यात्रा संचालकों और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच छत्तीसगढ़ की विविधतापूर्ण पर्यटन क्षमता को सामने रखने का अवसर मिला। सम्मेलन के दौरान प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए जाने के साथ छत्तीसगढ़ को ‘Best Emerging Tourist Destination’ के प्रतिष्ठित सम्मान से भी नवाजा गया।

विशाखापट्टनम स्थित नोवोटेल्

वरुण बीच में 10 से 13 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन की मुख्य विषय-वस्तु ‘भारत-विश्व के पर्यटन अवसरों का अगला बड़ा केंद्र’ रही। सम्मेलन में देश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन किया गया। इस राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ ने अपनी पर्यटन विविधता और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित किया।

पर्यटन विकास के विजन को

मिला राष्ट्रीय मंच

सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा, प्रदेश की विशेषताओं और यहां मौजूद पर्यटन अवसरों को प्रमुखता से रखा गया। प्राकृतिक सौंदर्य से लेकर इतिहास, धर्म, संस्कृति और जनजातीय जीवन तक छत्तीसगढ़ की विविध पहचान को



पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया। प्रदेश की पर्यटन संपदा को प्रभावशाली वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से देशभर से आए ट्रैवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स के सामने प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, आदिवासी संस्कृति, वन्यजीव, जलाप्रपात, पुरातात्विक धरोहर और साहसिक पर्यटन स्थलों की आकर्षक झलक दिखाई गई।

प्रस्तुति के दौरान देशभर से आए ट्रैवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स को छत्तीसगढ़ को अपनी नई यात्रा इटिनेरी में शामिल करने

तथा इसे एक उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए की जा रही पहलों और नई पर्यटन संभावनाओं की जानकारी भी साझा की गई। प्रदेश के पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचाने, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़कर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

पंचायतों की आय बढ़ाने धमतरी का नवाचार मॉडल

PPPमॉडल से विकसित होंगे व्यावसायिक परिसर, यूनिपोल-होर्डिंग सहित आय के नए स्रोतों को मिलेगा बढ़ावा

धमतरी। ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और विकास कार्यों के लिए अधिक सक्षम बनाने की दिशा में धमतरी जिले में ‘स्वयं की आय’ बढ़ाने का अभिनव एवं परिणामोन्मुख मॉडल विकसित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशों के अनुरूप पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के माध्यम से पंचायतों की उपलब्ध भूमि एवं परिसंपत्तियों का नियमानुसार उपयोग कर स्थायी आय के नए स्रोत तैयार किए जा रहे हैं। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और आत्मनिर्भरता के संकल्प को स्थानीय स्तराशासन के स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिले में इस पहल के तहत मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्रों तथा शहर एवं प्रमुख आबादी क्षेत्रों के आसपास स्थित ऐसे स्थानों को चिन्हांकित किया गया है, जहां व्यावसायिक गतिविधियों की बेहतर



संभावनाएं हैं। राजस्व अमले के माध्यम से भूमि का चिन्हांकन एवं पंचायतों के नाम आबंटन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद भूमि की गाइडलाइन दर तथा प्रस्तावित व्यावसायिक दुकानों के निर्माण की लागत को आधार बनाकर पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप बेस रेट निर्धारित किया गया। पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से व्यावसायिक परिसरों के आबंटन की कार्रवाई की जा रही है। इससे पंचायतों को नियमित एवं दीर्घकालिक आय प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस मॉडल की खासियत यह है कि पंचायतों की परिसंपत्तियों को केवल निष्क्रिय संपत्ति के रूप में रखने के बजाय उन्हें आय सृजन के साधन के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्थानीय जरूरत और संभावनाओं के अनुरूप व्यावसायिक परिसर, यूनिपोल, होर्डिंग तथा अन्य अनुमत गतिविधियों को PPP मॉडल से जोड़ा जा रहा है। कलेक्टर अंबिनाश मिश्रा ने कहा कि पंचायतों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना स्थानीय स्वशासन को प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। धमतरी जिले में पंचायत प्रशिक्षण कार्यक्रम को राज्य स्तर पर लागू किए जाने के साथ इसे शत-प्रतिशत डिजिटल स्वरूप में संचालित किया जा रहा है। समर्थ पोर्टल पर पंचायतों की प्रगति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायतों की उपलब्ध भूमि और परिसंपत्तियों का पारदर्शी, नियम सम्मत एवं जनहितकारी उपयोग करते हुए PPP मॉडल के माध्यम से व्यावसायिक परिसरों का विकास किया जा रहा है, जिससे पंचायतों की स्वयं की आय में निरंतर वृद्धि हो सके।



ज्ञान-विज्ञान की बातें

सीहॉर्स की इस खा़स प्रजाति को ‘एलेक्स अंकल’ और ऑटो ड्राइवर की मदद से खोजा गया



आप सोच रहे होंगे कि एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर का सीहॉर्स की खोज से क्या लेना-देना हो सकता है. सीहॉर्स एक छोटी समुद्री मछली है, जिसका सिर घोड़े जैसा और पूंछ मुड़ी हुई होती है. लेकिन हिंद महासागर में कांटेदार सीहॉर्स की एक नई प्रजाति की खोज में उस ऑटोरिक्शा चालक की अहम भूमिका रही. शालू कन्नन की रिसर्च से इस नई प्रजाति की पहचान हुई. उन्होंने शालू कन्नन को एक ऐसे मछुआरे से मिलवाया, जिसने कांटेदार सीहॉर्स का पहला नमूना खोजने में उनकी मदद की. शालू कन्नन बताती हैं कि 2019 की गर्मियों में वह अपनी पीपुचडी थीसिस के लिए तमिलनाडु के तटीय शहर तूतीकोरिन (अब थुथुकुडी) में तीन हफ्ते के लिए फ़ैल्ड स्टडी कर रही थीं. "तीन हफ्ते की फ़ैल्ड स्टडी के अंत में मैं काफी निराश थी."

"मैं एक ऑटोरिक्शा में सफ़र कर रही थी. ड्राइवर ने मुझे और मेरे सहकर्मी को सीहॉर्स के बारे में बात करते हुए सुना. उन्होंने पूछा कि क्या हुआ है. मैंने उन्हें बताया कि हम एक खास प्रजाति की तलाश कर रहे हैं, लेकिन उसे ढ़ढ़ नहीं पाए." "तब उन्होंने कहा कि वह एक मछुआरे को जानअगले ही दिन, 27 अप्रैल 2019 को, उन्हें तूतीकोरिन मछली बंदरगाह पर बायकैच के ढेर में पहला नमूना मिल गया. बायकैच उन छोटे समुद्री जीवों को कहा जाता है जो ढ़ालरों के मछली पकड़ने वाले जाल में फंस जाते हैं. जांच में पता चला कि यह नमूना आनुवंशिक रूप से हिप्पोकैम्पस हिस्ट्रिक्स से अलग था. पहले माना जाता था कि हिप्पोकैम्पस हिस्ट्रिक्स लाल सागर से लेकर पूरे हिंद महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर तक फैला हुआ है.

लेकिन शालू कन्नन को एक और नमूने की जरूरत थी. वह उसके शारीरिक गुणों की पुष्टि करना चाहती थीं, ताकि भौगोलिक वितरण के आधार पर उसकी अलग पहचान साबित की जा सके. वह मछुआरा उनके पुराने मछुआरे संपर्क "एलेक्स अंकल" के संपर्क में बना रहा. शालू कन्नन एलेक्स अंकल को 2018 से जानती थीं. एलेक्स अंकल और दूसरे मछुआरों की मदद से उन्हें दूसरा नमूना लगभग पांच महीने बाद, 2 सितंबर 2019 को मिला. काफी रिसर्च और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बाद वह इस नई प्रजाति की खोज को प्रमाणित करने में सफल रही.

केरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ फ़िशरिज़ एंड ओशन स्टडीज़ (कुफ़ेस) की टीम के नेतृत्व में हुए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में इस नई प्रजाति का नाम 'हिप्पोकैम्पस अमांडाविन्सेटिए' रखा गया. इस नई प्रजाति का नाम सीहॉर्स की वैश्विक विशेषज्ञ अमांडा विन्सेंट के सम्मान में रखा गया है. वह दुनिया की प्रमुख समुद्री जीव वैज्ञानिकों में से एक हैं और प्रोजेक्ट सीहॉर्स की संस्थापक हैं. वैज्ञानिक तौर पर, कुछ हफ्ते पहले प्रमुख वर्गीकरण पत्रिका 'जुट्रावेसा' में प्रकाशित इस रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि कांटेदार सीहॉर्स या स्पाइनी सीहॉर्स (हिप्पोकैम्पस हिस्ट्रिक्स) एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग प्रजातियां हैं. इनमें हिप्पोकैम्पस अमांडाविन्सेटिए भी शामिल है.

कुफ़ेस में सहायक प्रोफ़ेसर और इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक राजीव रावहन ने बीबीसी न्यूज़ हिन्दी से कहा, "हमने इसके सभी बाहरी गुणों का अध्ययन किया और फ़ैल्लोर्जेनेटिक विश्लेषण भी किया."

सोते समय अचानक शरीर में लगते हैं झटके, घबराने की जरूरत नहीं इसे हाइपनिक जर्क (Hypnic Jerk) कहते है

क्या आपको भी रात में सोते-सोते अचानक ऐसा महसूस होता है जैसे आप ऊंचाई से गिर रहे हों? या फिर शरीर अचानक झटके से हिल जाता है और आपकी नींद खुल जाती है? अगर ऐसा कभी-कभार होता है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इसे हाइपनिक जर्क (Hypnic Jerk) कहा जाता है। यह एक तरह की अनैच्छिक मांसपेशियों की हलचल है, जो नींद आने के शुरुआती चरण में हो सकती है। कई लोगों को इस दौरान गिरने, झटका लगने या अचानक कुछ होने जैसा एहसास भी हो सकता है।

सोते समय क्यों लगते हैं झटके?

हाइपनिक जर्क उस समय हो सकता है जब शरीर जागने की अवस्था से नींद की तरफजा रहा होता है। इस दौरान मांसपेशियां धीरे-धीरे रिलैक्स होने लगती हैं और दिमाग में होने वाले बदलावों के साथ अचानक एक अनैच्छिक मांसपेशी झटका महसूस हो सकता है। यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि हाइपनिक जर्क क्यों होता है, लेकिन नींद की कमी, तनाव, थकान और ज्यादा कैफ़ीन जैसे कुछ कारक इसकी संभावना बढ़ा सकते हैं। कई बार झटके के साथ गिरने जैसा सपना या एहसास भी हो सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि दिमाग में कोई गंभीर समस्या है।

Hypnic Jerk के क्या कारण हो सकते हैं?

हाइपनिक जर्क का कोई एक निश्चित कारण नहीं होता। कुछ परिस्थितियां इसकी संभावना बढ़ा सकती हैं, जैसे : पर्याप्त नींद न लेना ज्यादा थकान या अनियमित नींद का समय मानसिक तनाव या चिंता रात में ज्यादा कैफ़ीन लेना सोने से ठीक पहले बहुत ज्यादा उतेजना या स्क्रीन टाइम कुछ दवाओं या पदार्थों का प्रभाव बहुत ज्यादा शारीरिक थकावट हर व्यक्ति में इसके ट्रिगर अलग हो सकते हैं। इसलिए केवल झटके आने के आधार पर आयरन या किसी दूसरे पोषक तत्व की कमी मान लेना सही नहीं है।

क्या Hypnic Jerk खतरनाक होता है?

ज्यादातर मामलों में हाइपनिक जर्क गंभीर समस्या नहीं होता और कभी-कभार होने वाले झटकों को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होती। लेकिन अगर झटके बहुत

ज्यादा बार आने लगे हैं, नींद लगातार खराब हो रही है या इसके साथ दूसरे असामान्य लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। खासकर अगर शरीर में लगातार अनैच्छिक हलकें, बेहोशी, चोट या दिन में अत्यधिक नींद जैसी समस्या हो, तो इसकी जांच जरूरी हो सकती है।

Hypnic Jerk से बचने के लिए क्या करें?

अगर आपको बार-बार सोते समय झटके महसूस होते हैं, तो अपनी नींद की आदतों में कुछ बदलाव करके देखा जा सकता है।

पूरी नींद लें: हर व्यक्ति की नींद की जरूरत अलग हो सकती है, लेकिन ज्यादातर वयस्कों को नियमित रूप



आयुष्मान कार्ड भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PMJAY) के तहत एक डिजिटल हेल्थ कार्ड है जानें इसे कौन बनवा सकता है?

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना यानी PM-JAY सरकार का हेल्थकेयर प्रोग्राम है जो हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का केशलेस इलाज देता है, जो एम्पैनल्ड सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में होता है।

आयुष्मान कार्ड क्या है?

आयुष्मान कार्ड एक डिजिटल हेल्थ कार्ड है जो आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PMJAY) के तहत जारी किया जाता है। योग्य लाभार्थी आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल करके पूरे भारत में पैनल वाले अस्पतालों में हर परिवार को हर साल 5 लाख तक के केशलेस इलाज का फ़ायदा उठा सकते हैं। यह कार्ड सभी योग्य लाभार्थियों के लिए सस्ती और आसानी से मिलने वाली हेल्थकेयर प्रका करता है और सेकेंडरी और टर्शियरी केयर हॉस्पिटलाइज़ेशन तक पहुँच देता है। क्या आपने लंबे समय तक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं किया? तो जानिए कैसे हो सकता है आपका नुकसान?

आयुष्मान कार्ड की एलिजिबिलिटी

PM-JAY के लिए एलिजिबल होने के लिए व्यक्ति को सोशियो-इकोनॉमिक कास्ट सेंसस (SECC) 2011 के डेटा के साथ-साथ राज्य-स्पेसिफ़िक बेंनिफ़िशियरी डेटाबेस और तय ऑक्यूपेशनल कैटेगरी में आना



चाहिए। एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के लिए अलग-अलग हैं। आयुष्मान कार्ड के लिए एलिजिबल शहरी और ग्रामीण परिवारों की लिस्ट ये है:

1. शहरी परिवार
- कचरा बीनने वाले
- भिखारी
- घरेलू कामगार

- स्ट्रीट वेंडर, फेरीवाले, मोबी या सड़कों पर काम करने वाले दूसरे सर्विस प्रोवाइडर
- कंस्ट्रक्शन वर्कर, राजमिस्त्री, प्लंबर, लेबर, वेल्डर, पेंटर, कुली, सिक्वोरिटी गार्ड और दूसरे सिर पर बोझा ढोने वाले वर्कर स्वास्थ
- सफ़ाई कर्मचारी, सैनिटेशन वर्कर और माली
- घर से काम करने वाले वर्कर, हैडीक्राफ़्ट वर्कर, कारीगर और दर्जी
- ट्रांसपोर्ट वर्कर, कंडक्टर, ड्राइवर, गाड़ी खींचने वाले, ड्राइवर और कंडक्टर के हेल्पर और रिक्शा चलाने वाले
- असिस्टेंट, दुकान में काम करने वाले, छोटी जगहों पर चपरासी, डिलीवरी असिस्टेंट, हेल्पर, वेटर और अटेंडेंट
- इलेक्ट्रीशियन, असेंबलर, मैकेनिक और रिपेयर वर्कर
- धोबी और चोकीदार

II. ग्रामीण परिवार

- एक कमरे वाले कच्चे घरों में रहने वाले परिवार
- जिन परिवारों में 16-59 साल की उम्र का कोई एडल्ट सदस्य नहीं है
- SC/ST परिवार - जिन परिवारों में एक विकलांग सदस्य है, लेकिन कोई गैर-विकलांग एडल्ट सदस्य नहीं है
- जिन परिवारों में 16-59 साल की उम्र का कोई एडल्ट पुरुष सदस्य नहीं है
- बिना ज़मीन वाले परिवार जो हाथ से काम करके रोज़ाना काम करते हैं

III. सीनियर सिटिज़न

- ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी सीनियर सिटिज़न जो सीनियर सिटिज़न पहले से आयुष्मान भारत PMJAY (AB PMJAY) के तहत कवर हैं, वे हर साल 5 लाख तक का एक्स्ट्रा टॉप-अप कवर पाने के लिए एलिजिबल हैं
- जो सीनियर सिटिज़न पहले से ही दूसरी पब्लिक हेल्थ इश्योर्स स्क्रीम, जैसे कि एक्स-सर्विसमन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्क्रीम (ECHS), सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्क्रीम (CGHS), या आयुष्मान सेंट्रल आर्डर्ड पुलिस फ़ेर्स (CAPF) का फ़ायदा ले रहे हैं, वे अपनी मौजूदा स्क्रीम जारी रख सकते हैं ये AB PMJAY में बदल सकते हैं

क्या आप स्मार्ट टीवी का सही इस्तेमाल कर रहे हैं? जानिये शानदार फीचर्स के बारे में

आज के दौर में स्मार्ट टीवी घर के मनोरंजन का अहम हिस्सा बन चुका है। Netflix, YouTube, Prime Video और दूसरे हज़ार प्लेटफ़ॉर्म पर कंटेंट देखने के लिए इसका खूब इस्तेमाल होता है। लेकिन स्मार्ट टीवी की क्षमता केवल फ़िल्में और वेब सीरीज़ चलाने तक सीमित नहीं है। इसकी कुछ सेटिंग्स और फ़ीचर्स रोजमर्रा के काम को आसान बनाने के साथ टीवी को एक मल्टीपंक्शनल डिवाइस में बदल सकते हैं।



1. **स्क्रीन मिररिंग** से बड़ी स्क्रीन का फ़ायदा
- स्मार्टफ़ोन या लैपटॉप की स्क्रीन को टीवी पर मिरर करके आप प्रेजेंटेशन, फ़ोटो और वीडियो बड़े डिस्प्ले पर देख सकते हैं। ऑप्सि मीटिंग, कॉलेज प्रोजेक्ट या घर में फ़ोटो दिखाने के लिए प्रोजेक्टर की जरूरत भी कम हो सकती है। कुछ टीवी में फ़ोन को कंट्रोलर की तरह इस्तेमाल करके गेमिंग का मजा लेने का विकल्प भी मिलता है। स्मार्टटीवी चुनें
2. **वॉयस असिस्टेंट** को बनाएं अपना डिजिटल हेल्पर

रिमोट से केवल चैनल बदलने के बजाय वॉयस कमांड का इस्तेमाल करें। आप मौसम, समाचार या किसी खास कंटेंट की जानकारी मांग सकते हैं। सपोर्ट मिलने पर टीवी से अलग-अलग स्ट्रीमिंग ऐप्स में कंटेंट सर्च करना भी आसान हो जाता है। स्मार्ट होम डिवाइस जुड़े होने पर लाइट, एसी या अन्य उपकरणों को भी

अपनी पसंदीदा तस्वीरों का स्लाइडशो चलाकर टीवी को डिजिटल फ़ोटो प्रेम के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

5. **टीवी को बनाएं वर्क और फ़िटनेस स्क्रीन**
- स्मार्ट टीवी का वेब ब्राउजर न्यूज़ पढ़ने, रेसिपी देखने या जानकारी खोजने के काम आ सकता है। Bluetooth कीबोर्ड और माउस सपोर्ट करने वाले मॉडल में कुछ productivity apps का इस्तेमाल बड़े स्क्रीन पर किया जा सकता है। वहीं, YouTube और फ़िटनेस ऐप्स के जरिए घर पर एक्सरसाइज करते समय बड़े डिस्प्ले का फ़ायदा मिलता है।
- 6.**Cloud Gaming** से बिना कंसोल खेलें गेम
- Cloud Gaming सपोर्ट करने वाले टीवी में compatible services के जरिए बिना महंगा गेमिंग कंसोल खरीदे गेम खेलने का विकल्प मिल सकता है। इसके लिए आमतौर पर तेज और स्थिर इंटरनेट तथा compatible controller की जरूरत होती है। यह सुविधा गेमिंग पसंद करने वालों के लिए टीवी को और उपयोगी बना देती है। वीडियोउपकरण देखें
7. **Smart Home** का बन सकता है कंट्रोल सेंटर
- कुछ स्मार्ट टीवी स्मार्ट होम प्लेटफ़ॉर्म के साथ इंटीग्रेट होकर एक केंद्रीय डैशबोर्ड की तरह काम कर सकते हैं। सपोर्ट के अनुसार आप स्मार्ट लाइट, थर्मोस्टेट, डोरबेल या सिक्वोरिटी कैमरे की जानकारी टीवी स्क्रीन पर देख सकते हैं। बेहतर 4K स्ट्रीमिंग के लिए कमजोर Wi-Fi की स्थिति में Ethernet कनेक्शन भी उपयोगी हो सकता है।

कार का AC चलाते समय Auto और Recirculation Mode का सही तरीका समझें

आज की आधुनिक कारों में आरामदायक ड्राइविंग के लिए कई स्मार्ट फ़ीचर्स दिए जाते हैं। इनमें ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल भी शामिल है। खास बात यह है कि अब यह सुविधा केवल महंगी कारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि कई बजट और एंट्री-लेवल मॉडल में भी देखने को मिलती है। हालांकि, बहुत से चालक इसके Auto और Recirculation मोड का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते। इन दोनों फ़ीचर्स को समझने से सफ़र ज्यादा आरामदायक बनाया जा सकता है।

Auto Mode खुद संभालता है AC की सेटिंग

ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल में Auto बटन दबाने के बाद ड्राइवर को बार-बार फैन या एयरफ्लो की सेटिंग बदलने की जरूरत नहीं पड़ती। आपको केवल मनपसंद तापमान निर्धारित करना होता है। इसके बाद कार का क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम केबिन के तापमान के अनुसार फैन की गति, हवा के प्रवाह और क्लियरिंग या हीटिंग को अपने आप नियंत्रित करता है।

गर्म केबिन में तेज क्लियरिंग का फ़ायदा

अगर कार लंबे समय तक धूप में खड़ी रही है, तो अंदर का तापमान काफी बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में Auto Mode शुरुआत में ज्यादा तेज एयरफ्लो के जरिए केबिन को जल्दी आरामदायक बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे तापमान आपके निर्धारित स्तर के करीब पहुंचता है,



सिस्टम फैन की गति को कम कर सकता है। इससे आपको लगातार मैनुअल सेटिंग करने की परेशानी नहीं होती।

Recirculation Mode का असली काम क्या है?

Recirculation Mode कार के अंदर मौजूद हवा को दोबारा AC सिस्टम के जरिए सर्कुलेट करता है। इसे सक्रिय करने पर सिस्टम फैन की गति, हवा के प्रवाह और क्लियरिंग या हीटिंग को फिर से ठंडा या गर्म करता है। वहीं, इसे बंद रखने पर बाहरी हवा केबिन में प्रवेश करती रहती है।

गर्मियों में कब दबाएं Recirculation बटन?

एयरफ्लो के जरिए केबिन को जल्दी आरामदायक बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे तापमान आपके निर्धारित स्तर के करीब पहुंचता है,

से पहले से ठंडी हो रही केबिन हवा को दोबारा सर्कुलेट करने में मदद मिल सकती है। इससे केबिन को आरामदायक तापमान तक पहुंचाने में मदद मिलती है।

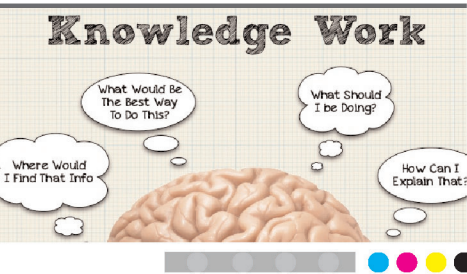
हालांकि, इसे बहुत लंबे समय तक लगातार चालू रखना उचित नहीं है। लंबे समय तक बाहरी हवा का प्रवेश कम रहने पर केबिन की हवा बासी या भारी महसूस हो सकती है। इसलिए जरूरत के अनुसार समय-समय पर बाहर की ताज़ी हवा को अंदर आने देना बेहतर है।

सर्दियों में भी उपयोगी है यह फ़ीचर

Recirculation Mode का इस्तेमाल केवल गर्मियों तक सीमित नहीं है। सर्दियों में जब कार का केबिन बाहर की तुलना में गर्म हो जाता है, तब अंदर की गर्म हवा को दोबारा सर्कुलेट करने से केबिन का तापमान बनाए रखने में मदद मिल सकती है। हालांकि, लंबे समय तक इसे चालू रखने के बजाय जरूरत के अनुसार बाहरी हवा का प्रवाह भी बनाए रखना चाहिए।

Mileage पर कितना पड़ता है असर?

AC का इस्तेमाल इंजन या वाहन की ऊर्जा पर अतिरिक्त मांग डाल सकता है, लेकिन केवल Auto या Recirculation बटन को माइलेज बढ़ाने या घटाने का सीधा कारण मानना सही नहीं होगा। सही मोड का इस्तेमाल मुख्य रूप से केबिन को जल्दी आरामदायक बनाने और AC की कार्यक्षमता से जुड़ा है। इसलिए मौसम और ड्राइविंग परिस्थितियों के अनुसार इन फ़ीचर्स का इस्तेमाल करना सबसे बेहतर तरीका है।





बारिश के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसे बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। मच्छरों से फैलने वाले इन संक्रमणों से हर साल हजारों लोग बीमार पड़ते हैं। लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो इन बीमारियों से होने वाली जटिलता और अस्पताल में भर्ती की नौबत केवल बीमारी की गंभीरता से नहीं, बल्कि लोगों द्वारा की गई कुछ आम गलतियों की वजह से भी होती है।

बुखार को सामान्य समझ लेना

डेंगू या मलेरिया के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य वायरल फ़ीवर जैसे होते हैं ज़ू जैसे हल्का बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और थकान। इसी वजह से अधिकतर लोग इसे हल्के में लेते हैं और बिना डॉक्टर से सलाह लिए आराम करने या घरेलू उपायों पर निर्भर हो जाते हैं। लेकिन यही

बारिश में डेंगू-मलेरिया होने पर न करें ये बड़ी गलतियां

लापरवाही बीमारी को और गंभीर बना देती है। डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से गिर सकती है और मलेरिया में तेज बुखार और कमजोरी जानलेवा बन सकती है।

इसलिए बुखार को केवल "मौसमी" कहकर टालना खतरनाक हो सकता है। यदि बुखार दो दिनों से अधिक रहे, तो तुरंत जांच करवाना जरूरी है।

सेल्फ-मैडिकेशन

आजकल इंटरनेट और फ़र्मेसी की आसानी से उपलब्धता के चलते लोग खुद ही डॉक्टर बनने लगते हैं। पेरासिटामोल, एंटीबायोटिक या दर्द निवारक दवाएं बिना किसी मेडिकल सलाह के लेना एक आम गलती है। खासकर डेंगू के मामलों में कुछ दवाएं जैसे आइबुप्रोफेन या एस्पिन प्लेटलेट्स पर बुरा असर डाल सकती हैं और रक्तसाव (bleeding) का खतरा बढ़ा देती हैं। इससे मरीज की स्थिति और बिगड़ जाती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा

लेना सही नहीं है, चाहे लक्षण कितने भी मामूली क्यों न लगे।

खून की जांच में देरी

डेंगू और मलेरिया दोनों ही खून की जांच से आसानी से पहचाने जा सकते हैं, लेकिन फ़िर भी लोग अक्सर जांच करवाने में देरी कर देते हैं। शुरुआती दिनों में जांच न करवाकर वे बुखार को सामान्य मानते रहते हैं और जब हालत बिगड़ती है, तब जाकर अस्पताल पहुंचते हैं। डेंगू में प्लेटलेट्स की निगरानी और मलेरिया में परजीवी की पहचान समय पर होनी बेहद जरूरी है। समय पर डायग्नोसिस न होने से इलाज में देरी होती है, जिससे जटिलताएं बढ़ सकती हैं और बूढ़ तक की जरूरत पड़ सकती है।

पर्याप्त पानी न पीना

डेंगू में शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन



बहुत जल्दी हो सकता है, क्योंकि बुखार और

उल्टी जैसी समस्याएं शरीर से तरल निकाल देती हैं। लेकिन मरीज अक्सर कमजोरी के कारण या भूख न लगने की वजह से पर्याप्त पानी और अन्य तरल पदार्थ नहीं लेते। इससे न सिर्फ़ हालत खराब

होती है, बल्कि रिकवरी भी धीमी हो जाती है।

ऐसे में हज़र्र, नारियल पानी, नींबू पानी और सादा पानी जैसे विकल्पों का सेवन लगातार करते रहना चाहिए। डॉक्टर भी डेंगू के मरीजों को हाई फ़्लूइड इंटेक की सलाह देते हैं।

घरेलू नुस्खों पर अधिक निर्भरता

पपीते के पत्ते का रस, गिलोय का काढ़ा, तुलसी, अदरक जैसी चीज़ें जरूर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकती हैं, लेकिन इन्हें इलाज का विकल्प समझना गलत है। कई लोग ये मान बैठते हैं कि घरेलू उपायों से ही डेंगू या मलेरिया ठीक हो जाएगा, और इस चक्कर में डॉक्टर के पास देर से पहुंचते हैं।

घरेलू नुस्खे एक सपोर्ट के तौर पर फ़ायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन अगर प्लेटलेट्स तेजी से गिर रहे हों या तेज बुखार उतर ही नहीं रहा हो, तो केवल इन उपायों पर निर्भर रहना जानलेवा हो सकता है। मेडिकल ट्रीटमेंट को कभी नजरअंदाज न करें।

समय पर पहचान और इलाज है जरूरी

"डेंगू और मलेरिया दोनों ही शुरुआती लक्षणों में सामान्य बुखार जैसे लगते हैं। लेकिन अगर बुखार लगातार दो दिन से ज्यादा बना रहे, शरीर में दर्द हो, प्लेटलेट्स गिरें या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। खुद से दवा न लें, और पानी की मात्रा बढ़ा दें।"

डेंगू और मलेरिया से बचाव के उपाय

घर और आसपास पानी जमा न होने दें मच्छरदानी और रिपेलेंट का प्रयोग करें पूरी बांह के कपड़े पहनें शाम के समय घर के दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराएं डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। समय पर जांच, सही इलाज और सतर्कता से न केवल बीमारी से बचा जा सकता है, बल्कि अस्पताल जाने की नौबत भी नहीं आती। इसलिए बुखार को हल्के में न लें और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें

जायका

टेस्टी, सात्विक और हेल्दी भी क्रिस्पी रोटी सैंडविच, जानें आसान रेसिपी

अगर आप कुछ स्वादिष्ट, हेल्दी और क्रिस्पी स्नैक की तलाश में हैं, तो यह क्रिस्पी रोटी सैंडविच आपके लिए परफेक्ट है। इसमें उबली हुई राजमा और लो फैट पनीर की टिकी के साथ ताज़ा टमाटर, माइक्रोग्रीन और मोज़रेला चीज़ का कॉम्बिनेशन इसे बनाता है स्वाद में लाजवाब और खाने में हल्का। यह न सिर्फ़ टेस्टी, बल्कि सात्विक और हेल्दी भी है।

सामग्री
उबली हुई लाल राजमा –400 ग्राम

लो फैट पनीर – 120 ग्राम लहसुन – 1 छोटा चम्मच अदरक – 1 छोटा चम्मच हरी मिर्च – 1 छोटा चम्मच प्याज़ – 50 ग्राम नमक –1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर – 1 छोटा चम्मच

जीरा पाउडर – 1 छोटा चम्मच चाट मसाला – 1 छोटा चम्मच हरा धनिया – 2 बड़े चम्मच तेल – 1 बड़ा चम्मच रोटी – 5 हरी चटनी – 50 ग्राम टमाटर के स्लाइस – 70 ग्राम माइक्रोग्रीन – 2 बड़े चम्मच



मोज़रेला चीज़ – 40 ग्राम

पैन ग्रीस करने के लिए तेल

विधि

- एक बर्तन में 400 ग्राम उबले हुए राजमा डालें और मेश करें।
- इसमें 120 ग्राम लो फैट पनीर, 1 चम्मच लहसुन, 1 चम्मच अदरक, 1 चम्मच हरी मिर्च, 50 ग्राम प्याज़, 1/4 चम्मच नमक, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच चाट मसाला और 2 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- मिश्रण का एक हिस्सा लेकर

टिकी (पैटी) का आकार दें।

4. मध्यम आंच पर ग्रीस की हुई पैन गरम करें। टिकी को पैन में रखें और 3–4 मिनट पकाएं। फ़िर पलटें और दोनों तरफसुनहरा और क्रिस्पी होने तक पकाएं। पकाने के बाद इसे कागज पर निकालें।

5. एक रोटी लें और उस पर हरी चटनी समान रूप से फैलाएं। बीच में टिकी रखें। ऊपर टमाटर स्लाइस, माइक्रोग्रीन और मोज़रेला चीज़ डालें।

- रोटी को धीरे-धीरे मोड़कर सैंडविच का आकार दें।
- ग्रीस की हुई पैन में सैंडविच रखें और हर तरफ2इ़क़ 3 मिनट या सुनहरा और क्रिस्पी होने तक पकाएं।
- पैन से निकालकर काटकर सर्व करें।
- गरमा-गरम क्रिस्पी रोटी सैंडविच का आनंद लें।
- नोट: ऐसे ही नई-नई और टेस्टी रेसिपी के लिए हमारे Yum Recipes APP को डाउनलोड करें।

बार- बार Face Clean up करवाने के क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल फेस वलीन-अप स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा बन गया है। कई लोग इसे हर महीने करवाते हैं ताकि चेहरा साफ और ग्लोइंग बना रहे। लेकिन बहुत से लोगों के मन में यह सवाल होता है कि क्या सचमुच मासिक फेस वलीन-अप सुरक्षित है नहीं? चलिए जानते हैं इस सवाल का जवाब।

फेस वलीन-अप क्या है?

फेस वलीन-अप एक स्किन ट्रीटमेंट है जिसमें चेहरे की गहराई तक सफ़ाई की जाती है। इसमें व्लींजिंग, स्क्रबिंग, स्टीम, ब्लैकहेड/व्हाइटहेड रिमूवल और फेस पैक लगाया जाता है। यह फेशियल से हल्का और कम समय लेने वाला होता है।

मासिक फेस वलीन-अप के फ़ायदे

गहराई से सफ़ाई: इससे धूल, मिट्टी, पसीना और ऑयल के कारण जमी गंदगी हटती है।

एक्ने और ब्लैकहेड्स में राहत: इससे पोर्स साफ़ हो जाते हैं जिससे पिंपल्स कम होते हैं।

ग्लोइंग स्किन: डेड स्किन सेल्स हटने से चेहरा चमकने लगता है।



खून का संचार बेहतर: मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्किन हेल्दी दिखती है।

कम खर्चोला: यह फेशियल से सस्ता और जल्दी हो जाने वाला प्रोसेस है।

किन बातों का ध्यान रखें?

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को हर महीने वलीन-अप करने से जलन, लालिमा या एलर्जी हो सकती है। बार-बार स्क्रबिंग या स्टीम लेने से ड्रायनेस और इरीटेशन हो सकती है। अगर किसी को एक्टिव एक्ने, रेशेज या स्किन डिजीज है तो पहले डॉक्टर या डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लें। वलीन-अप हमेशा साफ-सुथरे और प्रोफेशनल सैलून/क्लिनिक में ही करवाएं।

किसे कितनी बार करवाना चाहिए?

ऑयली या नॉर्मल स्किन वालों के लिए महीने में एक बार वलीन-अप करवाना फ़ायदेमंद है। ड्राय या सेंसिटिव स्किन के लिए 6–8 हफ्तों में एक बार ही पर्याप्त है। पिंपल्स/एलर्जी प्रोन स्किन वाले डॉक्टर की सलाह पर ही वलीन-अप करवाएं। मासिक फेस वलीन-अप ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, बशर्ते यह आपकी स्किन टाइप के हिसाब से और सही तरीके से किया जाए।

हिमाचल प्रदेश का ये बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन, जरूर जायें घूमने



बिताने का मौका मिल जाता है।

ऐसे में अगर आप भी अपने दोस्तों, पार्टनर या फ़िर परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चंडीगढ़ से 80 किमी की दूरी पर स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

नाहन

नाहन में आपको पहाड़ों पर बने पुराने किलों को घूमने के साथ ऐतिहासिक मंदिरों में भी दर्शन करने का मौका मिलेगा। नाहन में एक ऐसी झील है, जिसको हिमाचल की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील में से एक मानी जाती है। रेनुका वाइल्डलाइफ सैंक्यूरी में आप नीलगाय, हिरण और अन्य जानवर देखने को मौका मिलेगा। इसके अलावा आप यहां पर ट्रेकिंग भी कर सकते हैं। चंडीगढ़ से नाहन की दूरी करीब 85 किमी है।

आपको गाड़ी से नाहन तक पहुंचने में करीब 2.30 घंटे का समय लग जाएगा। यहां पर आप जैतक किला, रानी ताल, जगन्नाथ मंदिर, रेणुका अभयारण्य, रेणुका झील, सुफेती जीवाश्म पार्क, त्रिलोकीनाथ गुफ़ मंदिर, पवित्र तीर्थस्थल और गिरि नगर जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

अर्की

अर्की हिमाचल प्रदेश में है और यहां के आसपास कई पुरानी गुफ़एं और मंदिर हैं। ऐसे में जो लोग 2 दिन की छोटी ट्रिप प्लान कर रहे हैं, उनके लिए अर्की का सफ़र यादगार हो सकता है। वहीं जो लोग कम भीड़भाड़ से बचने के लिए ऑफ़बीट और शांत हिल स्टेशन तलाश कर रहे हैं। तो उन लोगों के लिए अर्की एक बेहतरीन जगह साबित हो सकती है।



चंडीगढ़ से अर्की की दूरी करीब 85 किमी है। चंडीगढ़ से अर्की तक गाड़ी से जाने के लिए करीब 3 घंटे का समय लग जाएगा। क्योंकि रास्ते में आपको दैनिक ज्यादा मिल सकता है। अर्की में आप बाड़ी धार अर्की का किला, शालाघाट और

लुटूर महादेव मंदिर जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

सोलन

सोलन हिमाचल प्रदेश की एक बेहद खूबसूरत पहाड़ी जगह है। सोलन को लोग शिमला की तरह खूबसूरत मानते हैं। लेकिन सोलन में शिमला की तुलना में कम भीड़भाड़ और शांत माहौल, वीकेंड गेटअवे के के लिए परफेक्ट है। यहां चारों ओर आपको चीड़ और देवदार के जंगलों के अलावा सुहाना मौसम और ठंडी हवाएं चलती हैं। सोलन खूबसूरत हिल स्टेशन वाली जगहों में से एक है। चंडीगढ़ से सोलन की दूरी करीब 68 किमी दूर है। यहां पर गाड़ी से पहुंचने में आपको 2 घंटे का समय लग जाएगा। यहां पर आप शूलिनी देवी मंदिर, जटोली शिव मंदिर, डक शाही जेल म्यूजियम, मोहन पार्क और माजाथल वन्यजीव अभ्यारण्य जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

A Complete Family Garden Restaurant

Dhillon Chicken

Indian Chinese Tandoor

Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room

FREE Home Delivery With in 3 H.M. 9780-4011912

VEG & NON-VEG

●Marriage & Birthday Party
●Party Catering ●Party Lawn
●Door to Door Catering

New Opening at
Chopati Civic Centre Bhilai

Near Chandulal Chandrakar Hospital, Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

WELCOME TO DHILLON CHICKEN

फिल्म टॉक्सिक के बॉक्स ऑफिस पर कमजोर प्रदर्शन के बीच कियारा आडवाणी ने शूटिंग का अपना अनुभव साझा किया



कियारा आडवाणी की फिल्म ‘टॉक्सिक’ रिलीज से पहले काफी चर्चा में थी। फिल्म में कियारा के साथ यश, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसे कलाकार नजर आए। बड़े सितारों और बड़े बजट के बावजूद फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। फिल्म की कमाई को लेकर भी काफी चर्चा हुई। अब कियारा ने फिल्म में अपने काम और शूटिंग के अनुभव के बारे में बात की है। उन्होंने फिल्म में नाट्रिया का किरदार निभाया था।

मैंने अपना सब कुछ उस सीन में लगा दिया था

कियारा ने एक बातचीत में फिल्म के एक खास सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उस सीन के लिए उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। कियारा ने कहा कि सीन की शूटिंग पूरी होने के बाद वह बुरी तरह थक गई थीं। इसके बावजूद उन्हें अंदर से लगा कि उन्होंने उस सीन में अपना सब कुछ दे दिया है।

उन्होंने बताया कि सीन पूरा होने के बाद पूरी टीम एक जगह इकट्ठा हुई और सभी ने साथ बैठकर उस सीन को देखा। कियारा के मुताबिक, उनके लिए वह पल आज भी बहुत खास है।

फिल्म की कमाई पर कियारा ने नहीं की बात

कियारा ने इस बातचीत में फिल्म को मिली आलोचना या बॉक्स ऑफिस पर इसके कमजोर प्रदर्शन को लेकर कोई बात नहीं की। उन्होंने सिर्फ अपने किरदार और शूटिंग के अनुभव के बारे में बात की।

चुनौती वाले किरदार करना चाहती हैं कियारा

कियारा ने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहती। वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं, जो उन्हें चुनौती दें और कुछ नया करने का मौका दें। कियारा ने कहा कि वह अपने आसपास कोई दायरा नहीं बनाना चाहती। उनके लिए हर चुनौती वाला किरदार आगे कुछ नया करने का रास्ता खोलता है।

यश ने भी फिल्म के प्रदर्शन पर कुछ नहीं कहा

यश ने अब तक ‘टॉक्सिक’ के कमजोर प्रदर्शन को लेकर सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि, उनके दोस्त जयदेव मोहन ने बताया था कि फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से अभिनेता काफी दुखी थे

बिग बॉस 20 के पहले वीकएंड का वार में आम्रपाली दुबे और माही विज ने कनिका की मिमिक्री कर सलमान खान को खूब हंसाया,

टीवी का सबसे चर्चित कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ काफी शानदार चल रहा है। पिछले रविवार यानी 6 सितंबर से शो की शुरुआत हुई है। बीते दिन पहला वीकएंड का वार एपिसोड भी आ गया है। पहला हफ्ता कैसा रहा, सभी घरवालों से सलमान खान ने पूछा। कुछ गेम खेले और टास्क हुए। इस दौरान काफी हंसी-मजाक का माहौल रहा है।

आम्रपाली-माही की एक्टिंग देख छूटी सलमान की हंसी

बिग बॉस 20 में प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के साथ बॉन्डिंग पर बात की। इस दौरान सलमान खान के सामने आम्रपाली दुबे और माही विज ने कनिका की नकल उतारी। आपको बताते चलें कि, यह टास्क सलमान खान ने उन्हें दिया था। सलमान खान ने कहा, ‘आम्रपाली और माही, कनिका बनकर एक-दूसरे से बात कीजिए’। फिर माही और आम्रपाली ने जिस अंदाज में मिमिक्री की, वह देखकर सलमान खान भी जोर-जोर से हंसने लगे।

नेटिजंस को पसंद आया आम्रपाली का अंदाज

हाल ही में जियो हॉटस्टार ने वीडियो शेयर किया है। कनिका की मिमिक्री वाले इस वीडियो पर नेटिजंस की प्रतिक्रिया आ रही है। एक यूजर ने लिखा, ‘आम्रपाली के एक्सप्रेशन गजब के हैं। एक यूजर ने लिखा, ‘आम्रपाली बेस्ट हैं’। वहीं, कुछ लोगों ने माही के अदाकारी को बेस्ट बताया है। इतना ही नहीं, कनिका के फैस ने भी कमेट बॉक्स में हाजिरी लगाई है और उन्हें दीवा कहा है।

आज घर से विदा हो सकता है एक सदस्य

रविवार को वीकएंड का वार का दूसरा एपिसोड प्रसारित होगा। आज किसी एक घरवाले की घर से विदाई हो सकती है। इस बार घर से बेघर होने के लिए कनिका मान, उदिति सिंह,



लव सिंह और अरशिफ खान के नाम नॉमिनेटेड हैं। बिग बॉस ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होता है। वहीं, टीवी पर यह कलर्स चैनल पर देख सकते हैं

24 की उम्र में पहली बार मां बनी थीं माहिरा खान, अब 41 में फिर बेबी बंप के साथ सामने आई अभिनेत्री

पाकिस्तान की मशहूर अभिनेत्री माहिरा खान के घर एक बार फिर खुशियां आने वाली हैं। 41 साल की माहिरा दूसरी बार मां बनने वाली हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इस खबर की जानकारी दी है। माहिरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह सफेद रंग के कपड़ों में अपना बेबी बंप दिखाती नजर आ रही हैं। तस्वीर सामने आते ही उनके प्रशंसकों ने उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया और यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई।

आखिर में अल्लाह का प्लान ही सबसे ऊपर

माहिरा ने तस्वीर के साथ लिखा कि हम अपनी जिंदगी के लिए कई योजनाएं बनाते हैं, लेकिन आखिर में अल्लाह की योजना ही सबसे ऊपर होती है। उनकी इस खबर के बाद प्रशंसक काफी भावुक नजर आए और उन्हें आने वाले बच्चे के लिए शुभकामनाएं दीं।

टोरंटो फिल्म समारोह में बेबी बंप के साथ पहुंचीं

माहिरा खान ने पहली बार टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान वह बेबी बंप के साथ कार्यक्रम में पहुंचीं। उन्होंने साड़ी पहनी थी और उनका लुक काफी चर्चा में रहा।

माहिरा बोलीं- इस बार सब कुछ काफी अलग है

माहिरा ने एक बातचीत में अपनी दूसरी गर्भावस्था के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि इस बार का अनुभव पहली गर्भावस्था से काफी अलग और ज्यादा मुश्किल है।

माहिरा ने बताया कि जब वह पहली बार मां बनने वाली थीं, तब उनकी उम्र 24 साल थी। उस समय वह काफी उत्साहित थीं और उनकी सेहत भी अच्छी थी। उन्होंने बिना ज्यादा सोचे इस नए अनुभव को सहजता से स्वीकार किया था।

41 की उम्र में शारीरिक परेशानियां ज्यादा

माहिरा ने बताया कि इस बार उन्हें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार उनका शरीर उन्हें वह काम करने की इजाजत नहीं देता, जो वह करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा कि उनके लिए इस बदलाव को अपनाना आसान नहीं रहा, क्योंकि वह हमेशा व्यस्त रहने, काम करने, सफ़र करने और एक साथ कई काम करने की आदी रही हैं।



सुप्रिया की शानदार हैट्रिक की मदद से भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर हॉकी जूनियर एशिया कप के फाइनल में बनाई जगह

पहले सेमीफ़ाइनल में दक्षिण कोरिया पर 5-1 की शानदार जीत के साथ भारत हॉकी जूनियर एशिया कप के फ़ाइनल में पहुँच गया। ड़ैग-फ़िलक स्पेशलिस्ट सुप्रिया कोर्नर से तीन गोल करके भारत को बढ़त दिलाने में मदद की। वहीं, मौजूदा चैंपियन ने संभलकर शुरुआत करने के बाद नॉकआउट मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और हाफ़-टाइम से पहले ही मैच पर नियंत्रण बना लिया। 13वें मिनट में मधु सिदार ने गोल करके भारत को ज़रूरी बढ़त दिलाई; उन्होंने एक अटैकिंग म्यू को गोल में बदलकर यह कामयाबी हासिल की।

इसके चार मिनट बाद सुप्रिया ने भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। 17वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ड़ैग-फ़िलक स्पेशलिस्ट ने सटीक शॉट लगाकर कोरियाई डिफेंस को हैरान कर दिया। 2-0 की बढ़त बनाने के बाद भी ‘ब्लू जर्सी’ वाली भारतीय टीम ने बॉल पर कब्ज़ा और मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा, और उनके दबाव का नतीजा 21वें मिनट में एक और गोल के रूप में सामने आया।

कोरियाई टीम के 23-मीटर एरिया में हवा में आई एक बॉल से सर्कल के अंदर एक क्रॉस बना, जिस पर सुखवीर कौर ने गोल करके टीम को 3-0 की बढ़त दिलाई। साउथ कोरिया ने ब्रेक से पहले वापसी की कोशिश की और कई मौके बनाए, लेकिन भारत का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहला हाफ़ 3-0 के स्कोर पर खत्म हुआ।



भारत ने उसी आक्रामक इरादे के साथ खेल जारी रखा और जल्द ही बढ़त को और बढ़ा दिया। 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने अपना दूसरा गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। हालांकि, 41वें मिनट में दक्षिण कोरिया को सफलता मिली, जब यूरी जियोंग ने सेट-पीस से गोल किया। इस गोल से अंतर कम होकर 4-1 हो गया और कोरियाई टीम को मोमेंटम वापस पाने का एक छोटा सा मौका मिला।

14 सितंबर को हिंदी दिवस के मौके पर 2 मिनट का सबसे आसान और असरदार मंचीय भाषण

14 सितंबर को हिंदी दिवस के मौके पर देशभर के स्कूलों और कॉलेजों में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. इन कार्यक्रमों में सबसे खास होता है मंच पर दिया जाने वाला भाषण.

अगर आप भी इस बार स्टेज पर बोलने जा रहे हैं और आसान शब्दों में एक दमदार भाषण की तलाश में हैं, तो यह 2 मिनट का तैयार भाषण आपके लिए एकदम उपयोगी है. इसे याद करना बेहद सरल है और बोलते समय कोई झिझक भी नहीं होगी.

मंच पर भाषण की शुरुआत कैसे करें?

माइक हाथ में लेकर पूरे आत्मविश्वास के साथ मुस्कुराते हुए अपनी बात शुरू करें.

"यहां मौजूद सभी आदरणीय शिक्षकों, प्रधानाचार्य महोदय और मेरे प्यारे सहपाठियों, आप सभी को मेरा सादर प्रणाम.

आज 14 सितंबर है, और हम सब यहां अपनी मातृभाषा के सम्मान में हिंदी दिवस मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं. इस खास दिन पर मुझे अपने विचार रखने का मौका मिला, इसके लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद."

भाषण का मुख्य हिस्सा

संबोधन के बाद बिना रुके सीधे अपनी मुख्य बात पर आएँ:

"साथियों, हिंदी सिर्फ बातचीत का एक माध्यम नहीं है, बल्कि यह हम सभी हिंदुस्तानियों के दिलों को आपस में जोड़ने वाली डोर है.



रोजमर्रा की जिंदगी में हिंदी बोलने में झिझकते हैं? हमें यह सोच बदलनी होगी. अपनी मातृभाषा बोलने में कभी कोई शर्म नहीं, बल्कि गर्व होना चाहिए."

धन्यवाद! जय हिंद, जय भारत!"

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को हमारे देश की आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया था. इसी ऐतिहासिक दिन की याद में हम हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाते हैं.

हिंदी भाषा की सबसे बड़ी खूबसूरती इसका सीधा और सरल होना है. हम जैसा सोचते हैं, वैसा ही हिंदी में बड़ी आसानी से बोल लेते हैं. आज के डिजिटल दौर में भी हिंदी का परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है. इंटरनेट से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह हिंदी तेजी से आगे बढ़ रही है.

लेकिन आज के दिन हमें यह भी सोचना होगा कि क्या हम अपनी

स्टेज पर बोलते समय इन 3 बातों का रखें ख्याल

रफ़्तार धीमी रखें: मंच पर कभी भी बहुत तेज न बोलें. हर लाइन के बाद हल्का सा ठहराव दें ताकि सामने वाले आपकी बात समझ सकें.

आई कॉन्टैक्ट बनाएं: केवल कागज में देखकर न पढ़ें, सामने बैठे शिक्षकों और बच्चों की तरफ़देखकर बोलें.

आवाज़ में जोश: शुरुआत और अंत के नारों को पूरी ऊर्जा और बुलंद आवाज़ के साथ बोलें.

भगवान गणेश को समर्पित भारत के 11 प्रसिद्ध चमत्कारी मंदिरों का धार्मिक महत्व

वैसे तो भारत में भगवान गणेश को समर्पित हजारों मंदिर हैं। वहीं देश-विदेश में भगवान गणेश की कई प्राचीन मूर्तियां विराजमान हैं। लेकिन कुछ खास मंदिर हैं, जिनकी प्रसिद्धि और प्रताप दूर-दूर तक फैला है।

इन मंदिरों में लाखों की संख्या में भक्त दर्शन और गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आते हैं। वहीं गणेश चतुर्थी के मौके पर भगवान गणेश को समर्पित इन मंदिरों की रौनक देखते ही बनती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भगवान गणेश के 11 चमत्कारी मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मनकुला विनयगर मंदिर

पुडुचेरी का मनकुला विनायक मंदिर करीब 300

साल से अधिक पुराना है। यह भगवान गणेश का मंदिर है, जोकि बंगाल की खाड़ी के पास स्थित है। मनकुला का मतलब रेत का तालाब होता है। भगवान विनायक मंदिर अपनी स्वर्ण रथ यात्रा और हाथियों के आशीर्वाद के लिए काफी प्रसिद्ध है। इस मंदिर में विराजमान भगवान गणेश को को वरसिद्ध विनायक के नाम से जाना जाता है। इतिहासकित्ताबें खोजें

मधुर महगणपति मंदिर

यह मंदिर केलर कासरगोड स्थित मधु वाहिनी नदी के तट पर बना है। यह अपने त्रिस्तरीय गोपुरम और अनोखी गणेश प्रतिमा के लिए काफी फेमस है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक टीपू सुल्तान ने इस मंदिर पर एक बार आक्रमण किया था, लेकिन दैवीय हस्तक्षेप के बाद उसको छोड़ दिया। गणेश

चतुर्थी के मौके पर मंदिर की दिव्यता और भव्यता देखने लायक होती है।

दगडूशेट गणपति मंदिर

यह मंदिर कर्नाटक के बेलगावी में स्थित है। यह मंदिर भगवान गणेश की भव्य मूर्ति और सामुदायिक समारोहों के लिए काफी प्रसिद्ध है। गणपति बप्पा के दर्शन के लिए महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों जगहों से भक्त मंदिर आते हैं। वहीं गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां पर हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

अध्विनायक मंदिर

महाराष्ट्र का अध्विनायक मंदिर गणपति बप्पा के



प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की पवित्र तीर्थयात्रा पुणे के आसपास 8 प्राचीन मंदिरों में से होकर गुजरती है। जिनमें से हर एक ही अनोखी कथा और स्वयंभू बप्पा की मूर्ति है। मोरगांव से रंजनगांव तक भक्त भक्ति में डूबकर इन मंदिरों की परिक्रमा करते हैं। वहीं पौराणिक कथाओं में भी

इस मंदिर का जिक्र मिलता है।

कपगमा विनायक मंदिर

तमिलनाडु के पिल्लयारपट्टी में स्थित यह मंदिर कराईकुडी के बेहद समीप है। इस प्राचीन चट्टानी मंदिर में एक गुफ में भगवान गणेश की 6 फीट प्रतिमा तराशी गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर करीब 1600 साल पुराना है। जोकि करपगा विनायक के नाम से फेमस है। यहां पर भी गणेश चतुर्थी के मौके पर विशेष रौनक देखने को मिलती है।

गणेश टोक मंदिर

यह मंदिर सिक्किम के गंगटोक में स्थित है। यह भगवान गणेश को समर्पित एक छोटा और प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर है। इस मंदिर से आपको गंगटोक शहर का पूरा मनोहर दृश्य देखने को मिलता है। नया व्यापार शुरू करने से पहले भक्त इस मंदिर में आकर बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

कनिपकम विनायक मंदिर

आंध्र प्रदेश के चित्तूर में स्थित कनिपकम विनायक मंदिर को 11वीं शताब्दी में बनवाया गया था। इस

मंदिर का निर्माण चोल राजाओं द्वारा कराया गया था। इस मंदिर में भगवान गणेश की स्वयंभू मूर्ति स्थापित है। माना जाता है कि समय के साथ-साथ मूर्ति का भी आकार बढ़ रहा है। भक्तों का मानना है कि गणपति बप्पा ही उनके जीवन में आए किसी भी तरह के विवाद को सुलझाते हैं। इस कारण उनको वरसिद्ध विनायक के नाम से जाना जाता है।

सिद्धिविनायक मंदिर

कर्नाटक के बैंगलोर में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर करीब 600 साल से ज्यादा पुराना है। यह मंदिर बप्पा के शक्तिशाली मंदिर के रूप में पूजा जाता है। मंदिर में विराजमान गणपति की मूर्ति की पूजा वरसिद्ध विनायक यानी की वरदान देने वाले भगवान के रूप में की जाती है।

उच्चै पिल्लयार मंदिर

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में 7वीं शताब्दी का रॉकफैट्रै उच्चै पिल्लयार मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है। इस मंदिर को स्थानीय लोग पिल्लयार के नाम से भी जानते हैं। पौराणिक कहानियों के मुताबिक यह भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की कथा और रावण की विभीषण की मूर्ति छिपाने में बप्पा की अहम भूमिका थी।

सार-संक्षेप

महिला कारोबारियों के छोटे बिजनेस को बढ़ाने मिलेंगे पैसे?



दिल्ली। BRICS देशों में कारोबार करने वाली महिलाओं के लिए आने वाले समय में नए मौके खुल सकते हैं. महिला कारोबारियों को अपना छोटा बिजनेस आगे बढ़ाने, पैसे और नई तकनीक तक पहुंच दिलाने और दूसरे BRICS देशों में कारोबार बढ़ाने पर जोर दिया गया है. BRICS महिला बिजनेस अलायंस (WBA) की चेयरपर्सन अर्णा जैन ने कहा कि BRICS देशों में महिलाएं कारोबार चला रही हैं, लोगों को रोजगार दे रही हैं और नए तरीके से काम कर रही हैं. अब जरूरत इस बात की है कि महिलाओं को सिर्फ कारोबार शुरू करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपना बिजनेस बढ़ा करने और दूसरे देशों तक पहुंचाने का मौका भी मिले.

इन्फ्लुएंसर्स द्वारा कथित तौर पर परेशान करने के बाद डिपके ने स्वकसरकार पर तंज कसा

कॉक रोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके के व्यंग्यात्मक इस्तीफे वाले पत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस पत्र में उन्होंने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए मध्य प्रदेश को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का नाटक किया था। जहाँ कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने MP सरकार की आलोचना में उनका साथ दिया, वहीं BJP कार्यकर्ताओं समेत कई अन्य लोगों ने दिपके पर "लेटरहेड के दुरुपयोग" का आरोप लगाया।

Is it OK? असहज दिखे थें, शी ने जवाब में सिर हिलाया, जिसके बाद पीएम मोदी ने अपना भाषण फिर से शुरू किया

दिल्ली। ब्रिक्स समिट में अपने शुरुआती भाषण के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को कुछ असहज महसूस करते हुए देखकर थोड़ी देर के लिए अपनी बात रोक दी। कुछ हलचल से ध्यान बंटने पर प्रधानमंत्री रुकें और शी की ओर मुड़े, जो सात साल बाद भारत के वीरे पर आए थे।

पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति के साथ आए अनुवादक से पूछा, क्या वह ठीक है? कुछ पल बाद उन्होंने फिर से यही सवाल पूछा। हालांकि, तुरंत यह पता नहीं चल पाया कि शी को किस वजह से असहजता महसूस हो रही थी। कुछ सेकंड बाद, शी ने जवाब में सिर हिलाया, जिसके बाद पीएम मोदी ने अपना भाषण फिर से शुरू किया। यह पल दूरदर्शन द्वारा शेयर किए गए फुटेज में कैद हुआ। यह छोटी सी घटना पीएम मोदी के शुरुआती भाषण के 4.40 और 5.11 मिनट के बीच हुई।



पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच दोस्ताना माहौल दिखा-भले ही यह एक छोटी सी घटना रही हो, लेकिन यह दोनों नेताओं के बीच आपसी गर्मजोशी और दोस्ताना माहौल का एक अहम पल था। इससे चीनी राष्ट्रपति के प्रति पीएम मोदी की व्यक्तिगत चिंता झलकती दिखी, खासकर ऐसे समय में जब दोनों देश अपने रिश्तों को नए सिरे से शुरू करने और सीमा

विवादों से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। शी की साफ़ दिख रही बेचैनी के पीछे क्या वजह हो सकती है, इस पर चीन की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बाद में, चीनी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स देशों के नेताओं के लिए पीएम मोदी द्वारा आयोजित गाला डिनर में हिस्सा नहीं लिया। हालांकि शी ने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत में हिस्सा लिया, लेकिन डिनर में उनकी गैर-मौजूदगी ने लोगों में उत्सुकता और चर्चा पैदा कर दी। चीन या भारत की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, लेकिन एक सूत्र ने बताया कि शी थक गए थे और आराम करने के लिए अपने होटल लौट गए थे। चीनी राष्ट्रपति के लिए यह दिन बहुत व्यस्त रहा; वे शनिवार सुबह जल्दी चीन से निकले और दोपहर के आसपास दिल्ली पहुँचे। शिखर सम्मेलन दोपहर 2 बजे के आसपास शुरू हुआ, जिसके बाद उन्होंने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

नेपाल में जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मियों को निकालने के लिए भारत और नेपाल के बचाव दल का संयुक्त अभियान

नेपाल में 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ की वजह से चिलीमे जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मियों को बचाने की कोशिश कर रहे भारतीय-नेपाली दल 70 मीटर तक का मलबा हटा चुके हैं और माना जा रहा है छह कर्मचारी वहां फंसे हुए हैं। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि सुरंग में जारी बचाव कार्य में मिट्टी खोदने वाली मशीन और मलबा उठाने वाली मशीन की मदद ली जा रही है जिससे अभियान को गति मिली है। उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम ने लगभग 70 मीटर और रास्ता साफ़ किया है।

परियोजना प्रबंधक के मुताबिक, जलविद्युत केंद्र सुरंग में और 60 मीटर की गहराई में है। श्रीवास्तव ने कहा कि बचाव दल वहां तक पहुंचने के लिए रात भर काम करते रहे। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन



(बीआरओ) ने बचाव स्थल तक पहुंचने के लिए सड़क भी तैयार कर ली है। इसके अलावा, नेपाली सेना ने बताया कि उसने स्थापकुरुबेसी से चिलीमे सुरंग तक एक किलोमीटर से अधिक लंबी पहुंच सड़क बनाई है, जिससे बचाव के उपकरण सड़कस्थल के और करीब ले जाए जा सकेंगे। 'खबरब'

समाचार पोर्टल की खबर के मुताबिक, नेपाली सेना और भारतीय बचावकर्मों मिलकर चिलीमे सुरंग के अंदर काम कर रहे हैं। खबर के अनुसार, सेना ने ऊपरी त्रिशूली-3बी जलविद्युत परियोजना पर बचाव कार्यों को भी प्राथमिकता दी है, जहां 100 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है।

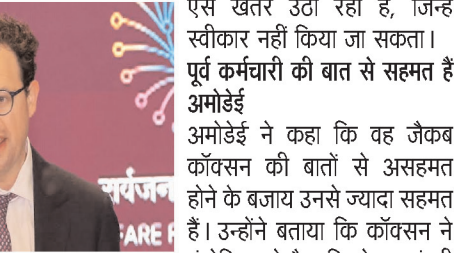
'द हिमालयन टाइम्स' ने रविवार को खबर दी कि नेपाली सेना के जवान ऊपरी त्रिशूली-3बी परियोजना स्थल पर खोज और बचाव अभियान जारी रखे हुए थे। हालांकि, चिलीमे में इस बात की कोई

आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि बचाव दल का उन छह कर्मचारियों से संपर्क हो गया है। खबरों के मुताबिक, बचाव दल को उस जगह के पास वायु प्रवाह का एक स्थान मिला है, जहां कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका है, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि वे जीवित हैं या उनसे संपर्क हो गया है।

क्यों एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई ने एआई के विकास की गति धीमी करने पर दिया जोर

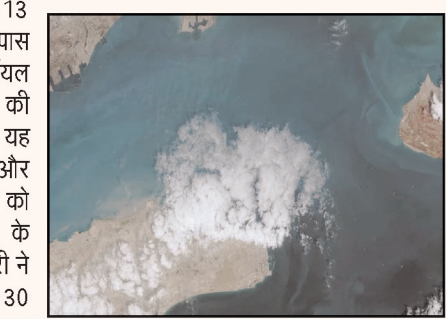
एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोडेई ने एक बार फिर कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी करने की जरूरत है। उनका कहना है कि जैसे-जैसे एआई ज्यादा ताकतवर हो रहा है, वैसे-वैसे उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजाम करने का समय भी मिलना चाहिए। सही रास्ता चुना तो खतरा बहुत कम होगा क्या एआई इंसानों की जान ले सकता है? अमोडेई से जब पूछा गया कि क्या भविष्य में एआई इंसानों की जान ले सकता है, तो उन्होंने कहा कि वह इस चिंता से काफी हद तक सहमत हैं। उन्होंने एंथ्रोपिक के पूर्व कर्मचारी जैकब कॉव्सन की चिंताओं का भी जिक्र किया। कॉव्सन ने हाल ही में एंथ्रोपिक की नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने खुले तौर पर एआई के बढ़ते खतरे को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि बड़ी एआई कंपनियां ज्यादा ताकतवर तकनीक बनाने की दौड़ में

ऐसे खतरे उठा रही हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। पूर्व कर्मचारी की बात से सहमत हैं अमोडेई अमोडेई ने कहा कि वह जैकब कॉव्सन की बातों से असहमत होने के बजाय उनसे ज्यादा सहमत हैं। उन्होंने बताया कि कॉव्सन ने एंथ्रोपिक को गैर-जिम्मेदार कंपनी नहीं बताया था। उनका कहना था कि एंथ्रोपिक इन खतरों को लेकर काफी जागरूक है, लेकिन पूरी एआई इंडस्ट्री बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। सिर्फ प्रतिशत बताने से बात साफ नहीं होगी अमोडेई ने कहा कि एआई के खतरे को सिर्फ किसी प्रतिशत के रूप में बताना सही तरीका नहीं है। जैसे अगर कोई कहे कि खतरा 10 प्रतिशत है, तो ऐसा लगता है जैसे सब कुछ किस्मत के भरोसे है। उनके मुताबिक, असल सवाल यह है कि हम कौन सा रास्ता चुनते हैं। अगर सही फैसले लिए गए तो खतरा कम किया जा सकता है। वहीं गलत फैसलों से स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है।



होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पास केशम द्वीप के पास ईरान के एक कमर्शियल जहाज़ पर हमला , एक व्यक्ति की ह़ुइ मौत

ईरान के अधिकारियों ने बताया कि रविवार (13 सितंबर) को होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पास केशम द्वीप के पास ईरान के एक कमर्शियल जहाज़ पर हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब तेहरान और वाशिंगटन के बीच इस अहम समुद्री रास्ते को लेकर तनाव चल रहा है। सरकारी टीवी के अनुसार, केशम शहर के गवर्नर अमीर तैमूरी ने कहा आज सुबह करीब 5:00 बजे (0130 ब्रह्म) हेगाम और केशम द्वीपों के पास एक कमर्शियल जहाज़ पर हमला हुआ। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। इन्होंने हमले के स्रोत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (UKMTO) ने कहा कि जलडमरूमध्य से गुजरते समय एक जहाज़ पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, लेकिन घटना के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। अमेरिकी सेना



की ओर से इस पर कोई तुरंत बयान नहीं आया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी सेना ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के तहत ईरानी झंडे वाले जहाज़ों को निशाना बनाते हुए लगातार सैन्य अभियान चला रही है। केशम के आस-पास धमाके (स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़) के सबसे बड़े द्वीप, केशम के आस-पास रात भर कई धमाकों की खबर मिली है। इस रणनीतिक

रूप से अहम जलमार्ग को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है। यह खतरनाक घटना ओमान में खाड़ी देशों के साथ ईरान की बातचीत से ठीक एक दिन पहले हुई है। ओमान की सीमा भी इसी जलडमरूमध्य से लगती है। यह बातचीत उस रास्ते के भविष्य को लेकर होनी है जो दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई के लिए बहुत जरूरी है। ईरान और अमेरिका के बीच छह महीने से चल रहे टकराव में होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर नियंत्रण एक बड़ा विवाद का मुद्दा बन गया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के हमलों से शुरू हुई जंग के जवाब में ईरान ने इस जलमार्ग को रोक दिया है; टकराव शुरू होने से पहले यह रास्ता खुला और बिना किसी रुकावट के इस्तेमाल होता था। ईरान अब सुरक्षा और संप्रभुता की चिंताओं का हवाला देते हुए जहाज़ों के लिए इस जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए मंजूरी लेना जरूरी कर रहा है और सर्विस फ़ीस लगाने के तरीके पर भी विचार कर रहा है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गोवा में बीजेपी और कांग्रेस के बीच हैं मिलीभगत

दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी 2027 में गोवा विधानसभा चुनाव विजय सरदेसाई के नेतृत्व वाली गोवा फ़ॉरवर्ड पार्टी (GFP) के साथ गठबंधन में लड़ेगी और भारतीय जनता पार्टी (BJP) को सत्ता से बाहर करेगी। केजरीवाल ने इस गठबंधन का नाम 'गोवा फ़र्स्ट' रखा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी और कांग्रेस के बीच मिलीभगत है, जिसके तहत कांग्रेस राज्य में बीजेपी को सत्ता बनाए रखने में मदद कर रही है, जबकि जनता का जनदेश बीजेपी के खिलाफ था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2017 के चुनावों में जनता का जनदेश बीजेपी के खिलाफ था और लोगों ने कांग्रेस को वोट दिया था; फिर भी, कांग्रेस ने अपने विधायकों को बीजेपी में



भेजकर उसे सरकार बनाने में मदद की। उन्होंने दावा किया कि 2022 में भी कांग्रेस ने बीजेपी को सत्ता में बने रहने के लिए जरूरी संख्या बल मुहैया कराया। लोगों को दो बार धोखा दिया गया। लेकिन, अब वे दोबारा धोखा नहीं खाना चाहते। लोग विकल्प चाहते हैं। एक तरफ कांग्रेस है... कांग्रेस ने हमेशा बीजेपी की मदद की है। वे सबके सामने एक-दूसरे

पर हमला करते हैं, लेकिन उनके बीच मिलीभगत है। बीजेपी की यूनिट में कई लोग ऐसे हैं जो कांग्रेस से आए हैं। वे सभी भ्रष्ट हैं। बीजेपी जानती है कि वे 2027 में हार जाएंगे, लेकिन उन्हें भरोसा है कि कांग्रेस सत्ता बनाए रखने में उनकी मदद करेगी। हालांकि, लोग इसे बदलना चाहते हैं। अब तक, लोगों के पास कोई खास विकल्प नहीं था। लेकिन, अब उनके पास 'गोवा फ़र्स्ट' के रूप में एक मजबूत विकल्प है। जो लोग बीजेपी और कांग्रेस को हराना चाहते हैं, वे हमें वोट दे सकते हैं। वहीं, सरदेसाई ने कहा कि 'गोवा फ़र्स्ट' गठबंधन गोवा के लोगों के लिए एक विकल्प है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के पास स्पष्ट जनदेश नहीं है, लेकिन कांग्रेस के कई विधायकों के पाला बदलने के बाद उन्होंने विधानसभा में जबरदस्ती कानून पास कराए हैं।

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वाा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान- 1. नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141 2. सेक्टर-1 अवेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

देश के पुराने नौ म्यूजियम में से एक है महंत घासीदास संग्रहालय

राजधानी रायपुर के जिस कलेक्ट्रेट से पूरे जिले की व्यवस्था संचालित होती है, उसके ठीक सामने चंद कदमों की दूरी पर लगभग 150 साल पुराना संग्रहालय स्थित है। यह देश के पुराने नौ संग्रहालयों में से एक है। इंग्लैंड की महारानी के ताज के आकार में 1875 में अष्टकाणीय संग्रहालय बनाया गया था। इस संग्रहालय में अनेक ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं, प्राचीन मूर्तियां रखी जाती थीं। जब संग्रहालय छोटा पड़ने लगा, तब राजनांदगांव के राजा महंत घासीदास ने जमीन दान में दी। 1953 में संग्रहालय बनकर तैयार हुआ। पुराने संग्रहालय को यहां स्थानांतरित किया गया। इसका उद्घाटन करने देश के प्रथम राष्ट्रपति डा.राजेंद्र प्रसाद रायपुर पहुंचे थे। 70 साल बाद इस भवन का पुनःजीर्णोद्धार किया गया था, जो अब अपने नए रूप में पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। महंत घासीदास संग्रहालय के अध्यक्ष छिट्टी डायरेक्टर डा.प्रतापचंद्र पारख बताते हैं कि विश्वभर में हर साल 18 अप्रैल को वर्ल्ड हेरिटेज डे यानी विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। यह विवस मनाने का श्रेय पेरिस स्थित इंटरनेशनल काउंसिल आन मान्यूमेंट्स एंड साइट्स को जाता है। पहली बार 1982 में ट्यूनीशिया में यह दिवस मनाया गया था। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करना है। इस साल 2023 में यूनेस्को की थीम हेरिटेज चेंजेंस के रूप में इस दिवस को सेलिब्रेट किया जा रहा है। 18 अप्रैल को सुबह सात बजे पुरानी बस्ती के प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थलों जैतुसाव मठ, बावड़ी वाले हनुमान मंदिर, नागरीदास मठ, जगन्नाथ मंदिर आदि इलाकों में छात्रों को भ्रमण कराया जाएगा। इसके पश्चात संस्कृति सभागार में वरिष्ठ पुराविद् जीएल रायचकार प्रो. मिताश्री मित्रा ऐतिहासिक धरोहरों पर वक्तव्य देंगे। संग्रहालय में किस तरह के बदलाव आए हैं, इस पर भी जानकारी दी जाएगी।



तीन मंजिला म्यूजियम में लगी लिफ्ट तीन मंजिला म्यूजियम में बुजुर्गों को परेशानी न हो इसलिए इस साल लिफ्ट लगाई गई है। अब सीधे दूसरी-तीसरी मंजिल पर रखे गए पुरावशेषों का अवलोकन करने बुजुर्ग जा सकेंगे। म्यूजियम के मुख्य द्वार पर बिलासपुर के समीप ताला गांव में 5वीं-6वीं सदी में मिली आठ फीट ऊंची रूद्र शिव की प्रतिमा का प्रतिरूप स्थापित किया गया है, जो आकर्षण का केंद्र है। प्रतिमा में नाग, छिपकली, मछली आदि जीव प्रदर्शित किए गए हैं। संग्रहालय के बाहर खुले परिसर में जैन धर्म के अनेक तीर्थंकरों की प्रतिमाएं स्थापित की है

पुरुषों की प्रतिमाएं पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां ऐतिहासिक स्थलों सिरपुर, महार, रतनपुर, आरंग, तिसदेवी, भोरमदेव, मध्य प्रदेश के कारीतलाई से लाई गई मूर्तियां और धरोहरों को संरक्षित रखा गया है। राजधानी में ऐतिहासिक धरोहर राजधानी में अनेक ऐतिहासिक धरोहर हैं, जो शहर के वैभव और इतिहास को दर्शाते हैं। इनमें सरोना का कछुआ वाला शिव मंदिर,

राजकुमार कालेज, बूढ़ातालाब, हटकेश्वर मंदिर महादेवघाट, आमा तालाब, गॉस पुस्तकालय, कैसर ए हिंद दरवाजा, जवाहर बाजार, विक्टोरिया जुबली टाउन हाल, डिस्ट्रिक्ट कोसिल भवन, तेलीबाधा तालाब, दुधाधारी मठ, जगन्नाथ मंदिर दूरी हटरी, कोतवाली थाना, कांग्रेस भवन, गोकुल चंद्रमा हवेली मंदिर, जैतुसाव मठ, सेंट पाल चर्च, छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, प्रोजे.नारायण पांडेय स्कूल, आनंद समाज लाइब्रेरी, महामाया मंदिर, बंजारी धाम, बूढ़ेश्वर मंदिर आदि शामिल हैं।



बहिनी मन ला वंदन नारी शक्ति के अभिनंदन

तीजा एवं गणेश चतुर्थी

की हार्दिक शुभकामनाएं



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



आस्था और सौभाग्य के लोकपर्व तीजा पर नारी शक्ति को नमन



महतारी वंदन योजना

68 लाख
महिलाओं के खाते में अब तक
₹20,075 करोड़ अंतरित



लखपति दीदी

प्रदेश की **13.85 लाख**
से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी



संपत्ति में बढ़ी महिलाओं की हिस्सेदारी

जमीन की रजिस्ट्री में महिलाओं
को पंजीयन शुल्क में
50% की छूट



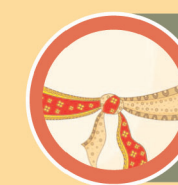
सखी वन स्टॉप सेंटर

तत्काल परामर्श एवं
कानूनी सहायता हेतु
42 केंद्र संचालित



महतारी सदन

सुविधा एवं सशक्तीकरण हेतु बनाए जा रहे
481 महतारी सदन



मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु
₹50 हजार की सहायता



महिला श्रमिकों को स्वरोजगार

श्रमिक दीदियों को ई-रिक्शा सहायता
से स्वरोजगार को बढ़ावा

'महतारी गौरव वर्ष', सशक्त महिलाएं, समृद्ध छत्तीसगढ़



छत्तीसगढ़
सहकारी महिला समिति

Visit us : [f](https://www.facebook.com/ChhattisgarhCMO) [X](https://www.x.com/ChhattisgarhCMO) [@](https://www.instagram.com/ChhattisgarhCMO) [/ChhattisgarhCMO](https://www.youtube.com/ChhattisgarhCMO) [f](https://www.facebook.com/DPRChhattisgarh) [X](https://www.x.com/DPRChhattisgarh) [@](https://www.instagram.com/DPRChhattisgarh) [/DPRChhattisgarh](https://www.youtube.com/DPRChhattisgarh) www.dprcg.gov.in